माघ शुक्ल - 10 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 175 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 20-01-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के लिए भारत जैसे देश में कोई जगह नहीं : खरगे

6 दक्षिण की सीटों पर प्रधानमंत्री मोदी की नजर

7 नयनतारा ने 'अन्नपूर्णी' फिल्म को लेकर हुए विवाद पर मांगी माफी

फर्स्ट टेक

रूस में एक तेल डिपो पर यूक्रेनी ड्रोन हमले से लगी भीषण आग

कीव/एपी। यूक्रेन ने शुक्रवार को रूस के पश्चिमी हिस्से में स्थित एक तेल डिपो पर ड्रोन से हमला किया जिससे वहां भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। युद्ध के दो साल पूरे होने से पहले यूक्रेन ने रूसी धरती पर हमले तेज कर दिए हैं। स्थानीय गवर्नर और सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' के अनुसार, यूक्रेनी सीमा से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित शहर क्लिंट्सी में हुए ड्रोन हमले के बाद 6,000 क्यूबिक मीटर की कुल क्षमता वाले चार तेल भंडारों में आग लग गई। इस शहर की आबादी करीब 70,000 हजार है।

भारत में कोविड के उपस्वरूप जेएन.1 के 1378 मामले दर्ज

नई दिल्ली/भाषा। भारत में अब तक कोविड-19 के उपस्वरूप जेएन.1 के कुल 1378 मामले दर्ज किये गए। मणिपुर में जेएन.1 के संक्रमण की पुष्टि होने के बाद यह पूर्वोत्तर राज्य सक्रिय मामलों वाले राज्य की सूची में शामिल हो गया। भारतीय सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईएनएसएसीओजी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 320 मामलों की पुष्टि हुई, जिसके बाद 234 मामलों के साथ कर्नाटक दूसरे स्थान पर है।

उत्तर कोरिया ने किया परमाणु हमला करने वाले ड्रोन का परीक्षण

सियोल/एपी। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को कहा कि उसने इस सप्ताह दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के संयुक्त नौसैन्य अभ्यास के जवाब में पानी में परमाणु हमले करने वाले ड्रोन का परीक्षण किया है।
उत्तर कोरिया ने अपने दुश्मन देशों पर क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का आरोप भी लगाया है। यह कथित ड्रोन परीक्षण ऐसे वक्त में किया गया है जब कुछ ही दिन पहले देश के नेता किम जोंग उन ने कहा था कि उनका देश अब दक्षिण कोरिया के साथ सुलह का प्रयास नहीं करेगा।

19-01-2024 सूर्यास्त 6:03 बजे	20-01-2024 सूर्योदय 6:35 बजे
BSE 71,683.23 (+496.37)	NSE 21,622.40 (+160.15)
सोना 6,488 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 77,200 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मैं नेता हूं

जिस भी दल का हूं मैं प्रहरी,
वो ही निशान देता जाऊं।
रख करके तीर सदा अपने,
केवल कमान देता जाऊं।
ले सकता हूं वापिस फिर से,
जो भी बयान देता जाऊं।
मैं नेता हूं जो वादों की,
केवल जुबान देता जाऊं।।

अयोध्या राम मंदिर में किया गया

रामलला की प्रतिमा का अनावरण

■ मैसूरु के मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई हैं 51 इंच की रामलला की प्रतिमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्रतिमा को 22 जनवरी को होने वाले 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह से तीन दिन पहले शुक्रवार को अनावरण कर दिया गया। काले पत्थर से बनी इस प्रतिमा की आंख पर पीले रंग के कपड़ा बांधा गया है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पदाधिकारी शरद शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि रामलला की प्रतिमा की आंखों पर पीला रंग का कपड़ा बंधा है और प्रतिमा को गुलाब के फूलों की माला पहनायी गई है। विश्व हिंदू परिषद ने रामलला की प्रतिमा की तस्वीर जारी की और यह प्रतिमा खड़ी मुद्रा में है। अयोध्या स्थित राममंदिर में आगामी 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले भगवान राम की नई प्रतिमा बृहस्पतिवार अपराह्न में राम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में रखी गई। मैसूरु के मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई 51 इंच की रामलला की प्रतिमा को पिछली रात मंदिर में लाया गया था। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मुख्य आचार्य अरुण दीक्षित ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि भगवान राम की प्रतिमा को अपराह्न में वैदिक मंत्रोचार के बीच गर्भगृह में रखा गया। उन्होंने कहा कि 'प्रधान संकल्प' ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा द्वारा किया गया। दीक्षित ने बताया कि प्रधान संकल्प' की भावना यह है कि भगवान राम की 'प्रतिष्ठा' सभी के कल्याण के लिए, राष्ट्र के कल्याण के लिए, मानवता के कल्याण के लिए और उन लोगों के लिए भी की जा रही है जिन्होंने इस कार्य में अपना योगदान दिया है।

श्रीराम के आदर्शों पर चलते हुए देश में सुशासन व ईमानदारी का हो राज : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ लगभग 2,000 करोड़ रुपए की आठ अमृत परियोजनाओं की मोदी ने आधारशिला रखी

सोलापुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार पहले ही दिन से प्रयास कर रही है कि श्रीराम के आदर्शों पर चलते हुए देश में सुशासन और ईमानदारी का राज हो। उन्होंने लोगों से 22 जनवरी को 'राम ज्योति' जलाने का आग्रह करते हुए कहा कि यह उनके जीवन से गरीबी हटाने की प्रेरणा होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं की सूची में लाना 'मोदी की गारंटी' है और वह अपने तीसरे कार्यकाल में लोगों के आशीर्वाद से इसे पूरा करेंगे। उन्होंने कहा, मोदी की गारंटी का मतलब है 'गारंटी पूरी होने की गारंटी'। भगवान राम ने हमें किए गए वादों का सम्मान करना सिखाया और हम गरीबों के कल्याण और उनके सशक्तीकरण के लिए निर्धारित सभी लक्ष्यों को पूरा कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री महाराष्ट्र के सोलापुर में राज्य में लगभग 2,000 करोड़ रुपए की आठ अमृत (कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन) परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

लोकसभा चुनाव से पहले अब कुछ ही महीने शेष रह गए हैं। यह एक सप्ताह में मोदी की राज्य की दूसरी यात्रा थी। महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं। उन्होंने कहा, भारत को दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शुमार करना मोदी का वादा है और आपके आशीर्वाद से मैं अपने तीसरे कार्यकाल में इस लक्ष्य को हासिल करूंगा।

भगवान हनुमान की जन्मस्थली किष्किंधा से एक विशेष रथ अयोध्या पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। राम मंदिर में 22 जनवरी को 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह से पहले भगवान हनुमान की जन्मस्थली किष्किंधा से एक विशेष रथ अयोध्या पहुंच गया है।

देशभर के मंदिरों का भ्रमण करते हुए, रथ को अयोध्या लाने से पहले नेपाल में माता सीता के जन्मस्थल जनकपुर ले जाया गया था। सौ भक्तों का समूह रथ के साथ नाचते-गाते, जय श्री राम'' का उद्घोष करते हुए और भगवान राम की तस्वीरों वाले भगवा झंडे लहराते हुए यात्रा कर रहा था।

श्री हनुमान जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अभिषेक कृष्णशास्त्री ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, जब हजारों लोग राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के महत्वपूर्ण दिन के लिए अयोध्या जा रहे हैं, तो भगवान हनुमान वहां कैसे नहीं हो सकते? हम इस रथ यात्रा के लिए निकले और पिछले दो महीनों में कई स्थानों की यात्रा की। रथ 25 जनवरी तक अयोध्या में रहेगा। उन्होंने कहा, हम भगवान राम की सेवा करने के लिए किष्किंधा से यहां आए हैं। रथ पर भगवान राम की हनुमान को गले लगाते हुए एक मूर्ति है। हनुमान भगवान राम के सबसे बड़े भक्त माने जाते हैं।

गुजरात नौका हादसा

एक प्रबंधक समेत तीन लोग गिरफ्तार

वडोदरा/भाषा। गुजरात में वडोदरा के निकट हुई नौका दुर्घटना के सिलसिले में तीन लोगों को गैर इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वडोदार शहर के बाहरी इलाके में स्थित हरनी झील में बृहस्पतिवार को हुए इस हादसे में 12 छात्रों और दो शिक्षकों की मौत हो गई थी जबकि 18 छात्रों और दो शिक्षकों को बचा लिया गया था। ये छात्र पिकनिक मनाने के लिए आए थे। हरनी पुलिस ने कोटिया प्रोजेक्ट्स के साझेदारों सहित 18 लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 304 (गैर इरादतन हत्या) और 308 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस उपायुक्त पन्ना मोमाया ने कहा, हम हरनी लेक जोन के प्रबंधक शांतिलाल सोलंकी और दो नाव संचालकों - नयन गोहिल और अंकित को पहले ही गिरफ्तार कर चुके हैं। अन्य दोषियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। इस हादसे में स्कूल के 12 छात्रों और दो शिक्षिकाओं की मौत हो गई थी।

सीमावर्ती राज्यों की प्राकृतिक आपदाओं के पीछे दुश्मन का हाथ? : राजनाथ

पता लगाने के लिए एक विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कुछ सीमावर्ती राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि यह पता लगाने के लिए एक विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है कि क्या इसके पीछे भारत के विरोधी हैं। उन्होंने कहा, जलवायु परिवर्तन अब केवल मौसम संबंधी घटना नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है।

वह विभिन्न राज्यों के लिए सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा 670 करोड़ रुपए की लागत से कार्यान्वित एक पुल और 34 अन्य सीमा क्षेत्र बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद जोशीमठ के पास ढाक गांव में एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

सिंह ने किसी देश का नाम लिए बगैर कहा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और लद्दाख जैसे कुछ राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। लेकिन मुझे लगता है कि यह पता लगाने के लिए एक अध्ययन की जरूरत है कि क्या इसमें हमारे विरोधियों की भी कोई भूमिका है। उन्होंने कहा कि इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति में वृद्धि को रक्षा मंत्रालय ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि इस विषय के विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है, जिसके लिए जरूरत पड़ने पर मित्र देशों की मदद भी ली जा सकती है। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए मोदी सरकार का दृष्टिकोण पिछली सरकारों से अलग है। उन्होंने कहा, हम सीमावर्ती क्षेत्रों को बफर जोन नहीं मानते हैं। हमारे लिए वे हमारी मुख्यधारा का हिस्सा हैं।

भारत ने 'एलायंस फॉर ग्लोबल गुड-जेंडर इक्विटी एंड इक्वलिटी' की स्थापना की

दावोस/भाषा। भारत ने विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक से इतर एक नए गठबंधन 'एलायंस फॉर ग्लोबल गुड-जेंडर इक्विटी एंड इक्वलिटी' की घोषणा की। डब्ल्यूईएफ के संस्थापक एवं कार्यकारी चेयरमैन क्लॉस श्वाब ने इस पहल में पूर्ण भागीदारी की पेशकश की है। यह घोषणा भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में की गई। इसमें केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और हरदीप सिंह पुरी के साथ-साथ विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के संस्थापक एवं कार्यकारी चेयरमैन क्लॉस श्वाब सहित अन्य कई हस्तियां शामिल हुईं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि इस गठबंधन का विचार जी20 नेताओं की घोषणाओं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रतिपादित महिला नेतृत्व वाले विकास के प्रति भारत की स्थायी प्रतिबद्धता से उभरा।

थाईलैंड का अयुध्या और भारत का अयोध्या : सीमाओं में बंटे लेकिन भगवान राम में विश्वास एक समान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। भारत में अयोध्या और थाईलैंड में अयुध्या- भले ही भौगलिक सीमाओं में विभाजित हैं लेकिन दोनों शहर सिर्फ नाम से ही नहीं मिलते-जुलते हैं बल्कि भगवान राम में विश्वास के मामले में भी दोनों एक-दूसरे के समान हैं। दोनों शहरों के बीच की दूरी साढ़े तीन हजार किलोमीटर है लेकिन भगवान राम में विश्वास लगभग एक समान है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में महज तीन दिन शेष रहने के बीच अयुध्या भी इस कार्यक्रम में शामिल होने को तैयार है। अयोध्या मंदिर ट्रस्ट को राम मंदिर के लिए अयुध्या से मिट्टी और थाईलैंड की तीन नदियों का जल प्राप्त हुआ है। इन तीन नदियों में चाओ फ्रया, लोप बुरी और पा साक शामिल हैं।

चाओ फ्रया नदी के किनारे बसा शहर अयुध्या एक प्राचीन नगर है, जो बैंकॉक से 70 किलोमीटर उत्तर में स्थित है और यह अपने समृद्ध व जीवंत सांस्कृतिक इतिहास के लिए यूनेस्को की वैश्विक धरोहर सूची में शामिल है।

बैंकॉक में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की एक सदस्य के मुताबिक, अयुध्या और थाईलैंड के अन्य शहरों में स्थित हिंदू मंदिरों के बाहर बड़ी-बड़ी स्क्रीन लगाई जा रही हैं, जिन पर 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण किया जाएगा। उन्होंने बताया, सभी मंदिरों में दीप जलाए जाएंगे और लोग दिन में राम भजन गाकर स्तुति करेंगे।

विहिप नेता ने कहा, हमने बड़ी-बड़ी स्क्रीन लगाई हैं, जिन पर भक्त प्राण प्रतिष्ठा समारोह देख सकेंगे। हमने दीप जलाने के इंतजाम भी किए हैं और भक्तों में प्रसाद भी वितरित किया जाएगा।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि अयुध्या थाईलैंड का अयोध्या है। उन्होंने कहा, प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए हमें वहां से मिट्टी और नदियों का जल मिला है।

विश्व हिंदू संघ (डब्ल्यूएचएफ) के संस्थापक और वैश्विक अध्यक्ष स्वामी विज्ञानंद ने कहा कि अयुध्या का नाम भगवान राम के जन्म स्थान अयोध्या से ही पड़ा है, जो हिंदू धर्म और रामायण से संबंध स्थापित करता है। उन्होंने कहा, अयुध्या के प्रथम शासक राजा रामथिबोडी ने क्षेत्र की संस्कृति पर रामायण के प्रभाव के कारण ही यह नाम रखा था। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उनके बाद के राजाओं ने भी राम नाम अपनाया, जो भगवान राम के साथ संबधों को और मजबूती प्रदान करता है। इनमें चक्री राजवंश भी शामिल था। उन्होंने कहा, अयुध्या को यह चीज बेहद खास बनाती है कि यहां हम रामायण का थाई संस्करण 'रामकियेन' देख सकते हैं, बौद्ध धर्म के अनुयायियों ने दक्षिणपूर्व एशिया में रामायण का प्रसार किया था। यह अयुध्या साम्राज्य के दौरान हुआ था। इस प्रकार हम थाई संस्कृति पर राम के जीवन के प्रभाव को देखते हैं।

रोगों को रोकने, समय पर पहचान करने व शीघ्र उसका निवारण करने के लिए कटिबद्ध है कर्नाटक सरकार : गुंडूराव

अपोलो अस्पताल ने भारत का पहला एआई-प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी सेंटर किया लांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्वास्थ्य क्षेत्र में अग्रणी विशेषकर ऑन्कोलॉजी केयर में विशेषज्ञ अपोलो कैंसर सेंटर ने शहर में भारत का पहला एआई-प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी केन्द्र लॉन्च किया। इस मौके पर कर्नाटक के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव ने इस नए केन्द्र के लांच की घोषणा की। उन्होंने कह कि आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में तकनीक का उपयोग बढ़ रहा है जो कि किसी भी रोग को बहुत ही सटीकता से समाधान करने में उपयोगी है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि कर्नाटक सरकार राज्य को रोगमुक्त करने के लिए हर संभव कार्य कर रही है।

उन्होंने अपोलो के इस ऑन्कोलॉजी सेन्टर की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की नई तकनीक से कर्नाटक राज्य की जनता को बहुत लाभ होगा। कर्नाटक सरकार जटील रोगों को रोकने, समय पर पहचान करने व शीघ्र उसका निवारण करने के लिए हमेशा प्रयासरत है और यही कर्नाटक सरकार की प्राथमिकता है। सरकार अपोलो जैसे संस्थानों के साथ कार्य करने के लिए तैयार है ताकि कर्नाटक की सरकार विशेषकर जरुरतमंदों तक उच्चतम स्वास्थ्य सुविधा न्यूनतम मूल्य पर पहुंचे।

गुंडूराव ने बताया कि कर्नाटक सरकार सर्वाइकल कैंसर व स्तन कैंसर जैसी बीमारियों ने लड़ने के लिए तत्पर है जिसके लिए समय पर जांच अभियान चलाने की योजना बना रही है।

उन्होंने बताया कि इन बीमारियों को टीकाकरण के माध्यम से प्रारंभिक स्तर पर समाप्त किया जा सकता है परन्तु टीका महंगा होने के कारण यह कार्य केन्द्र सरकार के सहयोग के बिना नहीं हो सकता। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार को इस तरह के टीकाकरण अभियान की शुरुआत करनी चाहिए जिसमें अपने स्तर पर सहयोग करने के लिए कर्नाटक सरकार तैयार है। उन्होंने कहा कि इस तरह के ऑन्कोलॉजी केन्द्र खुलना हमारे कर्नाटक के लिए गौरव की बात है।

एसीसी के मेडिकल ऑन्कोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. विश्वनाथ एस. ने कहा कि हर रोगी के जीनोमिक, क्लिनिकल और पैथोलॉजिकल प्रोफाइल के आधार ऑटिफिशयल बुद्धिमत्ता के आधार पर कैंसर जैसे भयावह रोग की समय रहते जांच की जाती है। ऑन्कोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार डॉ विजय अग्रवाल ने इस नए केन्द्र व तकनीक के बारे में आडियो वीडियो के माध्यम से विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि इन नई सुविधा में रोगी के रोग का पता चलने पर एक ही स्थान पर रोग विशेषज्ञों की राय ली जाती है तथा संभावित उपचार पर परामर्श व चर्चा होती है। उसके बाद रोगी को इलाज की सही सलाह दी जाती है। अपोलो हॉस्पिटल्स की प्रबंध निदेशक सुनीता रेड्डी ने अपोलो की विकास यात्रा के बारे में बताते हुए कहा कि यह नई सुविधा आर्टिफिशयल बुद्धिमता के साथ मानवी बुद्धिमता का मिश्रण है।

उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव से निवेदन किया कि यदि सरकार सहयोग करती हैं तो वह कर्नाटक की जनता के लिए मानवसेवी कार्य करने के लिए पहल करेंगी। इसके अलावा कार्यक्रम में अस्पताल के अनेक वरिष्ठ डाक्टर व विशेषज्ञ उपस्थित थे।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.63 अरब डॉलर बढ़कर 618.94 अरब डॉलर पर पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि 12 जनवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.63 अरब डॉलर बढ़कर 618.94 अरब डॉलर हो गया।

इससे एक सप्ताह पहले विदेशी मुद्रा का कुल भंडार 5.89 अरब डॉलर की भारी गिरावट के साथ 617.3 अरब डॉलर पर आ गया था।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम के बीच रुपए को संभालने के लिए रिजर्व बैंक को इस भंडार के एक हिस्से का इस्तेमाल करना पड़ा था। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 12 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.86 अरब डॉलर बढ़कर 548.51 अरब डॉलर हो गई।

डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। आरबीआई ने कहा कि आलोच्य सप्ताह में सोने का भंडार 24.2 करोड़ डॉलर घटकर 47.25 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.31 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के पास भारत की आरक्षित जमा 60 लाख डॉलर बढ़कर 4.872 अरब डॉलर हो गई।

मानव केंद्रित विकास भारत का दृष्टिकोण है

एआई का उपयोग हिंदी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा : गृह राज्य मंत्री अजय कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने मानव केंद्रित विकास को भारत का दृष्टिकोण करार देते हुए सीखने के शुरुआती वर्षों में एक बच्चे के लिए मातृभाषा के महत्व को रेखांकित किया है। वह शुक्रवार को एचएएल प्रबंधन अकादमी बेंगलूरु में आयोजित दक्षिण एवं दक्षिण पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न श्रेणियों के तहत राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों, बैंकों और उपक्रमों को कुल 32 पुरस्कार प्रदान किए।

मिश्रा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उद्धृत करते हुए कहा, सभी भारतीय भाषाएं हमारी अपनी भाषाएं हैं और वे अपने आप में बहुत समृद्ध हैं। ये भाषाएं न केवल अपने पाठकों को उनकी समृद्ध संस्कृति की जानकारी देती हैं बल्कि उन्हें हमारे क्षेत्रीय नायकों की गौरवशाली कहानियों से भी अवगत कराती हैं। हिंदी के विकास के लिए तकनीकी प्रगति को अपनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नवीनतम तकनीकी अनुप्रयोगों का उपयोग हिंदी के विकास में एक आवश्यक भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि भारत के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण एक ऐसा राष्ट्र है, जो न केवल अपनी समृद्ध और विविध विरासत, भाषाओं और संस्कृति पर गर्व करता है, बल्कि विश्व स्तर पर हो रही नवीनतम तकनीकी प्रगति के लिए खुद को ढालता है। मंत्री ने विभिन्न भारतीय शहरों में जी-20 बैठकों के दौरान टेबल पर इस्तेमाल किए गए एक अनुवाद ऐप का किस्सा भी साझा किया, जहां विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने अपने संदेश को अपनी मूल भाषा में टाइप करने के लिए ऐप का उपयोग किया और साथ ही अन्य प्रतिनिधियों के लिए उनकी भाषा में इसका अनुवाद किया गया।

अजय कुमार मिश्रा ने सभा को राजभाषा विभाग के अनुवाद सॉफ्टवेयर कंठस्थ 2.0 और हिंदी शब्द सिंधु के बारे में भी अवगत कराया, जो एक निरंतर अद्यतन करने योग्य शब्दकोश है जिसमें संविधान की आठवीं अनुसूची की विभिन्न भाषाओं से लिए गए लगभग चार लाख शब्द शामिल हैं।

राजभाषा विभाग की सचिव अंशुली आर्य, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल (कर्नाटक सर्कल) एस. राजेंद्र कुमार, कॉफी बोर्ड बेंगलूरु के सीईओ डॉ. के.जी. जगदीश, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सी.बी. अनंतकृष्णन, केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ के. सत्यनारायण राजू, राजभाषा विभाग की संयुक्त सचिव डॉ. मीनाक्षी जॉली, इसरो के यूआर राव सैटेलाइट सेन्टर के उत्कृष्ट वैज्ञानिक जसविंदर सिंह खोरल, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, हैदराबाद के सीएमडी और कमोडोर (सेवानिवृत्त) ए. माधवराव इस मौके पर मंचासीन थे। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को रामायण आधारित टिकटें और चंद्रयान प्रतिकृतियां उपहार में दीं गईं। सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में चार क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किये जाते हैं। चालू वित्तीय वर्ष की यह तीसरा सम्मेलन है। मार्च में चौथा सम्मेलन सिलीगुडी में प्रस्तावित है।

जलवायु वित्त में भारत, सिंगापुर के बीच सहयोग का मजबूत भविष्य है : नीति आयोग के उपाध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर/भाषा। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने कहा कि हरित वित्त के क्षेत्र में भारत और सिंगापुर के बीच सहयोग का मजबूत भविष्य है। उन्होंने कहा कि दोनों देश नई दिल्ली में हुए जी20 शिखर सम्मेलन में सतत वित्त पर नेताओं के घोषणापत्र में तय की गई रूपरेखा के भीतर काम कर सकते हैं।

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (नीति) आयोग के उपाध्यक्ष की सिंगापुर की तीन दिवसीय यात्रा सिंगापुर के विदेश मंत्रालय के विशिष्ट आगंतुक कार्यक्रम के तहत हो रही है। इसका मकसद द्विपक्षीय संबंधों और सभी स्तर पर परस्पर सहयोग को मजबूत करना है। बेरी ने कहा, भारत और सिंगापुर हरित वित्त-जलवायु वित्त के संदर्भ में उस ढांचे के भीतर जल्दी और कुछ महत्वपूर्ण कर सकते हैं जो सतत वित्त पर नई दिल्ली में नेताओं के घोषणापत्र में निर्धारित किया गया है। पिछले साल नौ सितंबर को पारित किए गए घोषणापत्र में अन्य बातों के अलावा, एकीकृत, समग्र और संतुलित तरीके से पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ और समावेशी आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

बेरी ने 16 से 19 जनवरी की अपनी यात्रा के दौरान शहर के प्रमुख संस्थानों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि सिंगापुर ने एशिया में कृत्रिम मेधा (एआई) का नेतृत्व किया है और उसकी, दिसंबर में शुरू की गई राष्ट्रीय एआई रणनीति 2.0 के तहत एआई विशेषज्ञों की संख्या तीन गुना यानी 15,000 तक बढ़ाने की योजना है।

बेरी ने कहा कि चूंकि सिंगापुर और भारत में प्रौद्योगिकीय प्रतिष्ठान एक-दूसरे के साथ सहज हैं तो इस क्षेत्र में तकनीकी मानव आदान-प्रदान की गुंजाइश हो सकती है।

ATHER

इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी समाप्त होने से दो साल तक रुक सकती है वृद्धि : एथर एनर्जी सीईओ

चंडीगढ़/भाषा। एथर एनर्जी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं सह-संस्थापक तरुण मेहता ने शुक्रवार को कहा कि अप्रैल से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री पर सरकार का प्रोत्साहन खत्म होने से उद्योग जगत की कंपनियों को कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। इससे एक या दो साल तक कारोबार के स्थिर रहने की आशंका है। इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी के सीईओ ने एक बयान में कहा, उद्योग अब पूरी तरह से सब्सिडी पर निर्भर नहीं है, लेकिन अप्रैल में सब्सिडी के समाप्त होने से उद्योग से जुड़ी कंपनियों को कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा, लचीलेपन के बावजूद इससे एक या दो वर्षों तक कारोबार स्थिर रहे सकता है जिससे उद्योग अपने तय लक्ष्य का पाने से और दूर हो जाएगा। केंद्र सरकार फेम-खख (भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण को तेजी से अपनाने) योजना के तहत दोपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहनों की बिक्री पर प्रोत्साहन प्रदान करती है। इसकी अवधि इस साल मार्च में समाप्त हो जाएगी।

मोहन यादव ने पांच लाख लड्डू के साथ ट्रक भोपाल से रवाना किये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में तैयार किए गए पांच लाख लड्डू पांच ट्रकों में भरकर यहां से अयोध्या के लिए रवाना किया।

यादव ने अपने मंत्रिपरिषद के सहयोगियों के साथ ट्रकों को भगवा झंडे लहराकर रवाना किया। इन पांच ट्रक को भगवान राम की तस्वीरों से सजाया गया था। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के एक अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक लड्डू का वजन लगभग 50 ग्राम है और पूरी खेप 250 क्विंटल है। इससे पहले एक-एक लाख लड्डुओं से भरे पांच ट्रक उज्जैन से भोपाल पहुंचे थे। महाकालेश्वर मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचन्द जुनवाल ने फोन पर बताया, मुख्यमंत्री द्वारा यह घोषणा करने के बाद कि मिठाई बाबा महाकाल के प्रसाद के रूप में अयोध्या भेजी जाएगी, पांच दिनों में मंदिर के कम से कम 150 कर्मचारी और सामाजिक संगठनों के लोगों ने इन लड्डुओं को तैयार किया। महाकाल मंदिर परिसर में एक विशेष इकाई है जो लड्डू तैयार करती है। पिछले हफ्ते, मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए उज्जैन मंदिर से पांच लाख लड्डू भेजे जाएंगे।

आईपीओ अभिदान बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने वाले तीन मर्चेन्ट बैंकरों के खिलाफ होगी कार्रवाई: सेबी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने शुक्रवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक को तीन मर्चेंट बैंकर के शेयर बिक्री के दौरान अभिदान बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने की गतिविधियों में शामिल होने का पता चला है। उन्होंने उनके खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

यहां निवेश बैंकर के समूह की तरफ से आयोजित वार्षिक सम्मेलन में बुच ने कहा कि सेबी को ऐसे मामलों की भी जानकारी मिली है जहां कुछ निर्दोष लोगों के खातों का नियंत्रण लेकर शेयर बाजार में कारोबार किया जाता है। ये वे लोग होते हैं, जो नहीं चाहते कि उन्होंने जो कारोबार किया, उसका पता किसी को चले।

बुच ने कहा, अधिक संख्या में अभिदान का आभास देने के लिए आईपीओ आवेदन संख्या को बढ़ाने की प्रवृत्ति भी है'' सेबी के पास इस बारे में आंकड़े तथा सबूत हैं। उन्होंने कहा, हम ऐसी गतिविधियों को देख रहे हैं... जिसमें मर्चेंट बैंकर शामिल पाए गए हैं...बार-बार ऐसी गड़बडी में नाम सामने आते हैं। इसलिए निवेशकों के हित में हमें नीति की समीक्षा के साथ-साथ प्रवर्तन कार्रवाई दोनों शुरू करने की जरूरत होगी।

बुच की ओर से ये टिप्पणियां आईपीओ के लिए आवेदनों की संख्या में भारी उछाल के बीच आई हैं। कई कंपनियों के आईपीओ को लेकर निवेशकों की बहुत अधिक मांग देखी गई है।

अधिक आवेदन आने और निवेशकों की ज्यादा मांग से आम तौर पर संबंधित कंपनी का आईपीओ निर्गम मूल्य के मुकाबले काफी बढ़त के साथ सूचीबद्ध होता है।

भारत मजबूत सेमीकंडक्टर उद्योग विकसित कर रहा, दिसंबर में आएगा भारत में बना पहला चिप: वैष्णव

दावोस/भाषा। संचार और इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत में बना पहला चिप दिसंबर तक बाजार में आ जाएगा। उन्होंने पूरे परिवेश पर ध्यान केंद्रित करने के साथ कम समय में देश में एक बहुत मजबूत सेमीकंडक्टर उद्योग विकसित करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक से इतर 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जनवरी 2022 में एक सेमीकंडक्टर नीति शुरू की थी। जब उन्होंने यहां उद्योग के वरिष्ठ प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी तब वे सभी इस बात से हैरान थे कि इतने कम समय में ऐसा कैसे किया जा सकता है।

लगभग सभी राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू कर रहे हैं: केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि लगभग सभी राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू कर रहे हैं। प्रधान ने कहा कि ऐसे राज्य जो इच्छुक नहीं प्रतीत हो रहे थे वे भी नीति को लागू कर रहे हैं हालांकि वे भिन्न शब्दावलियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। एनईपी 2020 की वर्तमान स्थिति और इस नीति को लागू करने वाले राज्यों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मुझे खुशी है। भिन्न शब्दावली का इस्तेमाल करके उन्हें संतुष्ट हो लेने दीजिए। लेकिन पूरी जिम्मेदारी के साथ मैं यह कह सकता हूं कि लगभग सभी राज्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू कर रहे हैं, जो बेहद दार्शनिक और ऐतिहासिक दस्तावेज़ है।

प्रधान ने आईआईटी हैदराबाद में कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद संबोधन में कहा, आईआईटी हैदराबाद में 'लिनवेन टिव 2024' का उद्घाटन करके प्रसन्नता महसूस कर रहा हूं। खुशी है कि दूसरे संस्करण में हमने इस नवोन्मेष प्रदर्शन का दायरा बढ़ा दिया है और इसे आईआईटी से आगे ले गए हैं।

गुजरात कांग्रेस विधायक सीजे चावडा ने इस्तीफा दिया, विधानसभा में पार्टी का संख्या बल घटकर 15 हुआ

अहमदाबाद/भाषा। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात में कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक सी. जे. चावडा ने शुक्रवार को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया, जिससे सदन में विपक्षी दल का संख्या बल घटकर 15 रह गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

चावडा दिसंबर 2022 के विस चुनाव में मेहसाणा जिले के विजापुर से चुने गए थे। चुनावों में भाजपा ने शानदार जीत हासिल की थी। राज्य विस अधिकारी ने बताया कि 3 बार के विधायक ने गांधीनगर में सदन के अध्यक्ष शंकर चौधरी को इस्तीफा सौंपा। चावडा पहली बार 2002 में गांधीनगर सीट से विधानसभा के लिए चुने गए थे। वह 2012 में गांधीनगर उत्तर सीट से चुने गए थे और 2022 तक विपक्षी दल के मुख्य सचेतक थे। चावडा ने 2022 में अपनी सीट बदली और विजापुर से कांग्रेस के टिकट पर चुने गए।

इस साल गेहूं का उत्पादन अच्छा होने की संभावना: कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस साल गेहूं का उत्पादन अच्छा होने की संभावना: कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि इस साल देश का गेहूं उत्पादन अच्छा होने की उम्मीद है। अक्टूबर में शुरू हुई रबी (सर्दियों) की मुख्य फसल गेहूं की बुआई पूरी हो चुकी है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब शीर्ष तीन राज्य हैं जहां गेहूं की अधिकतम क्षेत्र में खेती की गई।

मुंडा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, बुआई के आंकड़ों के अनुसार गेहूं की काफी क्षेत्र में खेती की गई है और हमें इस साल अच्छे उत्पादन की उम्मीद है।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, फसल वर्ष 2023-24 (जुलाई-जून) के चालू रबी के मौसम के अंतिम सप्ताह तक गेहूं की फसल का कुल रकबा 336.96 लाख हेक्टेयर रहा, जबकि एक साल पहले यह 335.67 लाख हेक्टेयर था।

भारतीय खाद्य निगम के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अशोक के. मीना ने तीन जनवरी को संकेत दिया था कि देश चालू फसल वर्ष 2023-24 में 11.4 करोड़ टन गेहूं उत्पादन का नया रिकॉर्ड बना सकता है, बशर्ते मौसम की स्थिति सामान्य रहे।

फसल वर्ष 2022-23 में गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11.055 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले वर्ष 10.77 करोड़ टन का उत्पादन हुआ था।

इस साल गेहूं की फसल की संभावनाओं के बारे में बताते हुए कृषि मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि फसल अच्छी स्थिति में है और अब तक फसल को किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। उन्होंने कहा, मौजूदा ठंडे मौसम की स्थिति गेहूं और अन्य रबी फसलों के लिए अच्छी है।

इस बीच, कृषि मंत्रालय ने किसानों को बुआई पूरी होने के बाद गेहूं की फसल की देखभाल में मदद करने के लिए नियमित परामर्श जारी करना शुरू कर दिया है। नवीनतम परामर्श 16-30 जनवरी की अवधि के लिए जारी किया गया। मंत्रालय ने किसानों से बुआई के 40-45 दिन बाद तक 'नाइट्रोजन' उर्वरक का इस्तेमाल पूरा करने को कहा है। बेहतर परिणाम के लिए किसानों को सिंचाई से ठीक पहले यूरिया डालने को कहा गया है। मौसम विज्ञान विभाग ने 16-30 जनवरी के दौरान भारत के पूर्वोत्तर और मध्य क्षेत्रों में बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। आगामी सप्ताह में तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है।

भारत को 2042 तक 2,500 से अधिक नए विमानों की जरूरत होगी : बोइंग

BOEING

हैदराबाद/भाषा। बोइंग के वाणिज्यिक विपणन उपाध्यक्ष डैरेन हल्स्ट ने शुक्रवार को कहा कि आवाजाही बढ़ने की वजह से भारत को 2042 तक 2,500 से अधिक नए विमानों की आपूर्ति की आवश्यकता होगी। हल्स्ट ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बढ़ती यात्री और मालवाहक मांग को पूरा करने के लिए दक्षिण एशियाई कंपनियों के अगले दो दशकों में अपने बेड़े के आकार को चौगुना करने का अनुमान है। वृद्धि और बेड़े प्रतिस्थापन से निपटने के लिए उन्हें 2,705 से अधिक नए विमानों की जरूरत होगी। उन्होंने संवादाताओं से कहा, 2042 तक उसमें से 92 प्रतिशत से अधिक यानी 2,705 में से 2,500 से अधिक की जरूरत भारत को होगी। यह पिछले वर्ष के मध्य में किए गए अनुमान पर आधारित है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने व्यापक जाति आधारित गणना की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश सरकार ने राज्य में शुक्रवार को अपनी व्यापक जाति आधारित गणना की शुरुआत की। राज्य के एक मंत्री ने यह जानकारी दी। सूचना एवं जन संपर्क मंत्री सी श्रीनिवास वेणुगोपाल कृष्णा ने बताया कि यह गणना 19 जनवरी से 10 दिनों तक की जाएगी। उन्होंने कहा, व्यापक जाति आधारित गणना पहले चरण में 10 दिनों तक होगी और इसे चार-पांच दिन बढ़ाया जाएगा। मंत्री ने उल्लेख किया कि स्वयंसेवी जातिगत गणना के तहत विवरण जुटाने के लिए घर-घर जाएंगे। बिहार के बाद जाति आधारित गणना कराने वाला आंध्र प्रदेश दूसरा राज्य बन गया है। पूरे प्रदेश में, ग्राम सचिवालय प्रणाली में अधिकारी स्वयंसेवियों द्वारा जुटाई गई जानकारी की सटीकता का सत्यापन करेंगे और अंतिम रिकार्ड बनाने से पहले, आवश्यक होने पर इसे दुरुस्त करेंगे। प्रत्येक स्वयंसेवी 50 परिवारों की जानकारी जुटाएंगे। कृष्णा ने विश्वास जताया कि समूची गणना प्रक्रिया 15 फरवरी के आसपास चुनाव अधिसूचना जारी होने से पहले पूरी की जाएगी।

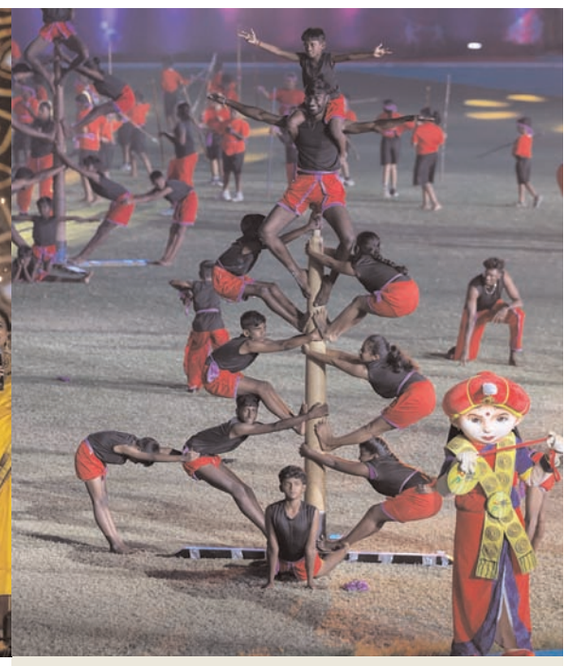

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चेन्नई में 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां खेलो इंडिया यूथ गेम्स' की शुरुआत की और कहा कि केंद्र सरकार भारत में 2029 यूथ ओलंपिक और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए प्रयास कर रही है।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वे एक साथ मिलकर ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' की सच्ची भावना का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय खेलों के मद्देनजर 2024 की शुरुआत के लिए यूथ गेम्स' सर्वश्रेष्ठ तरीका है।

खेलों की शुरुआत के लिए पारंपरिक मशाल प्रज्वलित कर मोदी ने कहा कि अनुमान है कि आने वाले वर्षों में भारतीय खेल उद्योग का आकार लगभग एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा, तमिलनाडु का आतिथ्य सत्कार आपका दिल जीत लेगा।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'खेलो इंडिया गेम्स' निश्चित रूप से खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करेगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने दूरदर्शन चैनल 'डीडी पोधिगई' के नये अवतार 'डीडी तमिल' की शुरुआत की।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, राज्यपाल आरएन रवि, केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर, तमिलनाडु के खेल एवं युवा मंत्री उदयनिधि स्टालिन आदि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेन्नई में रोड शो किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स' का उद्घाटन करने से पहले शुक्रवार को यहां एक रोड शो किया। इस दौरान भाजपा समर्थकों ने मोदी पर फूल बरसाए।

रोड शो से अपने तीन दिवसीय तमिलनाडु दौरे की शुरुआत करते हुए मोदी ने अपनी कार से उत्साही समर्थकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। लगभग चार किलोमीटर लंबे रास्ते में भरतनाट्यम, पारंपरिक संगीत के कलाकारों और लोक कलाकारों ने उनका स्वागत किया।

इस दौरान अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर कार्यकर्ता उत्साहित नजर आए और उन्होंने राम मंदिर की तस्वीर वाले बैनर प्रदर्शित किये। चेन्नई के पेरियामेट में नेहरू इंडोर स्टेडियम की ओर जाने वाली सड़क के दोनों ओर कतार में खड़े भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत किया।

मोदी यहां हवाई अड्डे पर पहुंचे और बाद में हेलीकॉप्टर से मरीना तट के पास आईएनएस अडयार पहुंचे और सड़क मार्ग से खेल आयोजन स्थल पर पहुंचे। राज्यपाल आर.एन. रवि और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने प्रधानमंत्री की अगवानी की।

न्यायालय ने पनीरसेल्वम, अन्य को निष्कासित करने के मामले में दखल देने से किया इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया जिसमें पनीरसेल्वम और उनके समर्थकों को निष्कासित करने के अन्नाद्रमुक आम परिषद के प्रस्ताव को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी गई थी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने पनीरसेल्वम और उनके समर्थकों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता केके वेणुगोपाल तथा अन्य वरिष्ठ अधिवक्ता से कहा कि वह उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने की इच्छुक नहीं है।

पीठ ने कहा, ''अगर हम इस चरण में हस्तक्षेप करते हैं तो इससे काफी अराजकता की स्थिति पैदा हो जाएगी। हमें ऐसा लगता है कि एक प्रकार का विभाजन है और यह खुद ही हल हो जाएगा। कई बार चीजों को खुद ही ठीक होने के लिए छोड़ देना बेहतर होता है। क्षमा करें हम उच्च न्यायालय के आदेश में दखल देने के इच्छुक नहीं हैं।''

शीर्ष अदालत ने हालांकि लंबित मामलों की शीघ्र सुनवाई का निर्देश दिया और पनीरसेल्वम (ओपीएस) तथा उनके सहयोगियों को सभी मामलों को एक साथ मिलाने संबंधी अर्जी दायर करने की स्वतंत्रता दी। ओपीएस और उनके समर्थकों ने मद्रास उच्च न्यायालय के 25 अगस्त 2023 के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया था। मद्रास उच्च न्यायालय ने उनकी ओर से 28 मार्च 2023 के एकल न्यायाधीश के फैसले के खिलाफ दाखिल सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

ओपीएस और उनके समर्थकों ने 11 जुलाई, 2022 के आम परिषद के प्रस्तावों में समन्वयक और संयुक्त समन्वयक के पदों को समाप्त करने, महासचिव पदों को बहाल करने और पार्टी से उनके निष्कासन को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

> **अगर हम इस चरण में हस्तक्षेप करते हैं तो इससे काफी अराजकता की स्थिति पैदा हो जाएगी। हमें ऐसा लगता है कि एक प्रकार का विभाजन है और यह खुद ही हल हो जाएगा। कई बार चीजों को खुद ही ठीक होने के लिए छोड़ देना बेहतर होता है।**

द्रमुक ने सहयोगियों के साथ लोकसभा चुनाव के वास्ते सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए समिति गठित की

चेन्नई। सत्तारूढ़ द्रमुक ने लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस सहित गठबंधन के घटकों के साथ सीट-बंटवारे पर बातचीत करने के लिए वरिष्ठ नेता टीआर बालू की अध्यक्षता में एक समिति बनाने की शुक्रवार को घोषणा की। लोकसभा चुनाव अप्रैल-मई में हो सकते हैं।

विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडी' के प्रमुख घटक द्रमुक ने दो अन्य समितियों की भी घोषणा की। इनमें एक चुनाव घोषणापत्र तैयार करने के लिए और दूसरी पार्टी के चुनाव संबंधी कार्यों के समन्वय के लिए है। पार्टी महासचिव दुरईमुरुगन ने घोषणा की कि पार्टी कोषाध्यक्ष बालू के नेतृत्व वाली समिति में केएन नेहरू (पार्टी के प्रधान सचिव), आई पेरियासामी (उप महासचिव), के पोनमुडी (उप महासचिव), ए राजा (सांसद और पार्टी के उप महासचिव) और एमआरके पनीरसेल्वम इसके सदस्य हैं।

नेहरू, पेरियासामी और पनीरसेल्वम मंत्री भी हैं, जबकि पोनमुडी पूर्व मंत्री हैं। द्रमुक के सहयोगियों में कांग्रेस, वामपंथी दल, एमडीएमके और विदुथलाई चिरुथिगल काची शामिल हैं।

घरेलू सहायिका को प्रताड़ित करने के आरोप में द्रमुक विधायक के बेटे, बहू के खिलाफ मामला दर्ज

चेन्नई। तमिलनाडु पुलिस ने 18 वर्षीय दलित घरेलू सहायिका को प्रताड़ित करने के आरोप में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के एक विधायक के बेटे और बहू के खिलाफ शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस के मुताबिक, कल्लाकुरिची जिले के उलुंदुरपेट में एक सरकारी अस्पताल ने उसे सूचना दी कि उपचार के लिए आई एक लड़की ने आरोप लगाया है कि चेन्नई में एक विधायक के बेटे और उसकी पत्नी ने उसे प्रताड़ित किया।

अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान लड़की के शरीर पर चोट के निशान पाए गए। उसके बाद नीलंगरै महिला थाने की एक महिला निरीक्षक उलुंदुरपेट अस्पताल गईं। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान लड़की ने बताया कि वह चेन्नई के तिरुवन्मियूर में विधायक के बेटे के घर में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती है। उसने आरोप लगाया कि विधायक के बेटे एंड्रो और उसकी पत्नी मार्लिना ने उसे पीटा और उसके साथ गाली-गलौज की।

शहर पुलिस ने एक बयान में कहा कि लड़की की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर आरोप लगाया कि लड़की अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखती है, जिसे पल्लावरम विधानसभा से द्रमुक विधायक आई करुणानिधि के बेटे और बहू ने बुरी तरह से पीटा और सिगरेट से जलाया।

उन्होंने मामले की विस्तृत और तुरंत जांच के साथ-साथ उचित कार्रवाई की मांग की। विधायक ने कहा कि वह और उनका बेटा अलग-अलग रहते हैं और उन्हें आरोपों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

विदेशी निवेशक अपनी प्रगति का नाता भारत के त्वरित उत्थान से जोड़ें : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को अच्छी तरह जुड़े बाजारों में से एक बताते हुए शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से अपनी प्रगति को भारत के त्वरित उत्थान से जोड़ने का आह्वान किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने हरेक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए अपनी सरकार की कोशिशों पर जोर देते हुए कहा कि भारत ने जी-20 समूह का अध्यक्ष रहते समय महिलाओं के नेतृत्व में विकास पर बल दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने बेंगलूरु के नजदीक बोइंग कंपनी के वैश्विक इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी केंद्र का उद्घाटन करने के बाद कहा कि सरकार खराब संपर्क सुविधा की बाधा दूर करने के लिए निवेश पर ध्यान दे रही है क्योंकि इससे भारत का प्रदर्शन प्रभावित हो रहा था। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने बोइंग सुकन्या कार्यक्रम की भी शुरुआत की। इसका लक्ष्य पूरे देश से विमानन क्षेत्र में अधिक लड़कियों के प्रवेश को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम लड़कियों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित (एसटीईएम) में शिक्षा प्रदान करेगा और महिलाओं को विमानन उद्योग की नौकरियों के लिए प्रशिक्षित करेगा। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से दिए गए अपने संबोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बोइंग एवं दूसरी विदेशी कंपनियों के लिए भारत के तीव्र उत्थान के साथ अपनी प्रगति को जोड़ने का वक्त है।

प्रधानमंत्री ने कहा, अगले 25 वर्षों में एक विकसित भारत का निर्माण 140 करोड़ भारतीयों का संकल्प बन चुका है। हमने पिछले नौ साल में करीब 25 करोड़ भारतीयों को गरीबी के चंगुल से बाहर निकाला है और अब ये लोग नव-मध्य वर्ग का हिस्सा हैं। हरेक आय वर्ग ऊपर की तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने विमानन और वैमानिकी क्षेत्र में भारत की प्रगति और क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि देश वैश्विक विमानन बाजार में नई जान फूंकने को तैयार है।

मोदी ने कहा कि भारत में कुल पायलटों में 15 प्रतिशत संख्या महिलाओं की है जो वैश्विक औसत का तिगुना है। उन्होंने कहा, चाहे लड़ाकू विमान हों या यात्री विमान, भारत महिला पायलट के मामले में दुनिया में सबसे आगे है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बेंगलूरु नवाचारों एवं उपलब्धियों को आकांक्षा से जोड़ने वाला शहर है और यहां पर स्थित बोइंग का नया परिसर इस धारणा को पुष्ट करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह परिसर भारत की प्रतिभा में दुनिया के भरोसे को दर्शाता है। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि एक दिन इस परिसर में ही भारत भविष्य के विमान का खाका तैयार करेगा।

मोदी ने कहा कि भारत दुनिया में विमानन का तीसरा बड़ा घरेलू बाजार बन चुका है। पिछले दशक में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या दोगुनी हुई है और इसमें उड़ान जैसी योजनाओं ने अहम भूमिका निभाई है। आने वाले समय में यह संख्या और बढ़ने वाली है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत इस समय दुनिया में अच्छी तरह जुड़े बाजारों में से एक बनता जा रहा है। यहां पर हवाई अड्डों की संख्या एक दशक पहले के 70 से बढ़कर करीब 150 हो चुकी है। प्रधानमंत्री ने भारत में विमान विनिर्माण परिवेश खड़ा करने पर जोर देते हुए कहा, 'मेक इन इंडिया' को प्रोत्साहन देने का नीतिगत दृष्टिकोण हरेक निवेशक के लिए वरदान सरीखा है। मोदी ने इस मौके पर बोइंग सुकन्या कार्यक्रम भी शुरू किया। कंपनी के अनुसार, इस पहल का मकसद पूरे भारत से देश के बढ़ते विमानन क्षेत्र में लड़कियों की अधिक भागीदारी का समर्थन करना है।

बेंगलूरु के बाहरी इलाके देवनहल्ली में 43 एकड़ में फैला बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (बीआईईटीसी) परिसर अमेरिका के बाहर इस कंपनी का सबसे बड़ा निवेश है। इसे 1,600 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। 'हाईटेक डिफेंस और एयरोस्पेस पार्क' में स्थित यह परिसर देश में स्टार्टअप, निजी तथा सरकारी परिवेश के साथ साझेदारी की आधाशिला होगा और वैश्विक एयरोस्पेस एवं रक्षा उद्योग के लिए अगली पीढ़ी यानी अत्याधुनिक उत्पादों तथा सेवाओं को विकसित करने में मदद करेगा।

बोइंग ने एक बयान में कहा कि उसका बोइंग सुकन्या कार्यक्रम समूचे भारत की लड़कियों एवं महिलाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित में महत्वपूर्ण कौशल सीखने और विमानन क्षेत्र में नौकरियों के लिए प्रशिक्षण का अवसर प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम के तहत युवा लड़कियों के लिए एसटीईएम क्षेत्र के करियर में दिलचस्पी जगाने के लिए 150 स्थानों पर एसटीईएम लैब बनाए जाएंगे। यह पायलट प्रशिक्षण ले रही महिलाओं को छात्रवृत्ति भी प्रदान करेगा। यह कार्यक्रम उड़ान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, प्रमाणपत्र हासिल

धनशोधन मामले में चेन्नई आधारभूत ढांचा निर्माण कंपनी के परिसर, प्रवर्तक के खिलाफ छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महानगर स्थित एक सिविल निर्माण और आधारभूत ढांचा कंपनी, उसके प्रमोटर और संबंधित व्यक्तियों से जुड़ी धनशोधन जांच के तहत शुक्रवार को चेन्नई में कई परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

केंद्रीय एजेंसी द्वारा जांच ग्रेटर चेन्नई पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) द्वारा ओशन लाइफस्पेसेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, इसके प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एस के पीटर, कुछ निदेशकों और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी का संज्ञान लेने के बाद शुरू की गई थी।

सूत्रों ने कहा कि चेन्नई महानगर और उसके आसपास लगभग छह-सात स्थानों पर ईडी अधिकारियों द्वारा धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है।

सीसीबी एफआईआर पिछले साल कंपनी के पूर्व निदेशक बी श्रीराम की शिकायत पर दर्ज की गई थी, जिन्होंने आरोप लगाया था कि प्रमोटर ने उन्हें धोखा दिया था और बाद में उन्होंने कंपनी बोर्ड से अपने निष्कासन को चुनौती देते हुए राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) का रुख किया था।

कंपनी के प्रमोटर और निदेशकों ने बाद में पुलिस प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध करते हुए मद्रास उच्च न्यायालय का रुख किया।

बाद में अदालत ने जांच सीसीबी से राज्य की अपराध शाखा सीआईडी को स्थानांतरित कर दी।

कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, यह सामान्य अनुबंध कार्यों में शामिल है।

जगदीशन के नाबाद 155 रन, तमिलनाडु के पांच विकेट पर 286 रन

कोयंबटूर। तमिलनाडु ने सलामी बल्लेबाज एन जगदीशन के नाबाद 155 रन की बदौलत शुक्रवार को यहां रेलवे के खिलाफ रणजी ट्राफी ग्रुप सी मैच में स्टंप तक पांच विकेट गंवाकर 286 रन बनाये। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी तमिलनाडु की शुरूआत अच्छी नहीं रही, उसने विमल कुमार (शून्य) का विकेट पहले ही ओवर में गंवा दिया। फिर जगदीशन और बी सचिन (33 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 83 रन जोड़कर पारी को संभाला। पर आकाश पांडे ने सचिन को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी।

तमिलनाडु ने चौथा विकेट 130 रन पर गंवाया। इसके बाद जगदीशन को भूपति कुमार (67 रन) का अच्छा साथ मिला जिससे इन दोनों ने पांचवें विकेट के लिए मिलकर 142 रन की भागीदारी निभायी। जगदीशन ने जैसे ही अपना सैकड़ा पूरा किया, भूपति को मोहम्मद सैफ ने आउट कर दिया। पांडे ने रेलवे के लिए दो विकेट चटकाये। मैसूर में ग्रुप सी के एक अन्य मैच में गोवा ने स्नेहल कौथांकर की 83 रन की सयंमित पारी से कर्नाटक के खिलाफ स्टंप तक आठ विकेट गंवाकर 228 रन बना लिये। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने वाली गोवा ने 45 रन पर तीन विकेट गंवा दिये थे। पिछले मैच में 197 रन की पारी खेलने वाले सलामी बल्लेबाज सूयश प्रभुदेसाई 27 रन पर आउट हो गये। फिर कौथांकर और कप्तान दर्शन मिसाल (39 रन) ने चौथे विकेट के लिए 82 रन की भागीदारी की। लेकिन रोहित कुमार ने कप्तान को आउट कर दिया जिससे यह जोड़ी स्टंप तक टिकने में विफल रही।

भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त राजस्थान बनाना नयी डबल इंजन की सरकार का प्रमुख लक्ष्य : राज्यपाल मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की नयी सरकार की नीति और नीयत एकदम साफ है तथा वह विकसित राजस्थान बनाने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नयी सरकार अपने 'संकल्प पत्र' के हर वादे को पूरा करेगी। इसके साथ ही राज्यपाल ने भ्रष्टाचार व कानून व्यवस्था तथा राज्य की खराब आर्थिक स्थिति के लिए पिछली कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष किया और कहा कि भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त राजस्थान बनाना वर्तमान डबल इंजन की सरकार का प्रमुख लक्ष्य है।

राज्यपाल मिश्र ने नवगठित 16वीं विधानसभा में अपने अभिभाषण में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा,नई सरकार की नीति और नीयत एकदम साफ है। हम विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ विकसित राजस्थान बनाने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा,हम बेहतर तरीके से कुशल एवं स्मार्ट सुशासन, नैतिक मूल्य व्यवस्था, गांधी जी का राम राज्य एवं सुराज, विधि का शासन, समावेशी एवं सतत विकास, प्रशासन में जवाबदेही, प्रभावशील दक्षता एवं पारदर्शिता, गुड गवर्नेंस, ई-गवर्नेंस, एम-गवर्नेंस, मिनिमम गवर्नमेंट- मैक्सिमम गवर्नेंस के साथ संकल्प पत्र के हर वादे को पूरा करेंगे।

इससे पहले सत्र की कार्यवाही शुक्रवार को राज्यपाल कलराज मिश्र के अभिभाषण के साथ शुरू हुई। राज्यपाल मिश्र ने गत सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, इससे पूर्व की सरकार अपने अन्तर्विरोधों एवं अहम की लड़ाई में व्यस्त रहने के कारण प्रदेश की विकासोन्मुखी नीति बनाने एवं निर्णय लेने में कामयाब नहीं हो पाई । इसके फलस्वरूप जनता की आकांक्षाओं पर खरी नहीं उतर सकी।

उन्होंने कहा, लेकिन अब यह पूर्ण बहुमत एवं डबल इंजन की सुस्थिर सरकार राज्य में विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर ना केवल नये राजस्थान का निर्माण करेगी अपितु विकसित राजस्थान व विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करेगी। राज्यपाल ने साथ ही कहा,हमारी सरकार का यह नीतिगत निर्णय है कि विगत सरकार द्वारा संचालित जन कल्याण की योजनाओं को बंद नहीं किया जायेगा, लेकिन चुनावी वैतरणी पार करने के उद्देश्य से अपने कार्यकाल के आखिरी समय में, बिना बजटीय प्रावधानों के, आनन-फानन में घोषित की गई इन तथाकथित कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा अवश्य की जायेगी।

उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों द्वारा गहन छानबीन के उपरान्त ही इन कथित कल्याणकारी योजनाओं को समुचित वित्तीय आधार देकर, ठोस एवं व्यावहारिक नये रूप में, जमीनी धरातल पर लागू करने का काम किया जायेगा। राज्यपाल ने कहा,विरासत में मिली प्रदेश की चौपट अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

कृषि क्षेत्र के बारे में राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि राजस्थान की जीडीपी में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 30 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं, उनको आर्थिक संबल प्रदान करने और सशक्त बनाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आपणो अग्रणी राजस्थान के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि को दोगुना कर अब 12 हजार रुपये प्रतिवर्ष करने की प्रस्तावित योजना हमारे किसान भाइयों के लिए बहुत बड़ा संबल होगी।

राज्यपाल ने कहा, किसान भाइयों के हितों की रक्षा वर्तमान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिछली सरकार के कार्यकाल में जिन किसानों की जमीनें नीलाम हुई थी, उनको बिना विलंब किए उचित एवं सम्मानजनक मुआवजा देने के लिए व्यावहारिक मुआवजा नीति निर्धारित की जायेगी। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना ईआरसीपी का जिक्र भी इस अभिभाषण में किया गया। राज्यपाल ने कहा,हमारी सरकार ईआरसीपी को पूर्वी राजस्थान की जीवनरेखा के रूप में विकसित करेगी और इस योजना का क्रियान्वयन मिशन मोड पर त्वरित गति से किया जायेगा। अब राजस्थान व मध्यप्रदेश, दोनों राज्यों में डबल इंजन की सरकार आने से ईआरसीपी के संबंध में एमओयू कर परियोजना को शीघ्र-अतिशीघ्र मूर्त रूप दिया जाना आसान होगा। उन्होंने कहा,भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त राजस्थान बनाना वर्तमान डबल इंजन की सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। इस शांतिप्रिय प्रदेश में कानून का शासन सुनिश्चित करने में यह सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। राज्यपाल ने पिछली सरकार पर केन्द्र की आयुष्मान योजना को चिरंजीवी योजना का नाम देकर वाहवाही लूटने का आरोप लगाते हुए कहा कि नई सरकार सभी को स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने साथ ही कहा कि सरकार चिरंजीवी योजना की समीक्षा करेगी और आयुष्मान योजना को जन केन्द्रित बनाकर प्रभावी रूप से लागू किया जायेगा। इससे पहले मिश्र का विधानसभा पहुंचने पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, मुख्य सचिव सुधांश पंत ने स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि राज्य की 16वीं विधानसभा के पहले सत्र की बैठक इससे पहले 20 व 21 दिसंबर को हुई थी जब नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई गई व विधानसभा अध्यक्ष का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया ।

भजनलाल सरकार पूर्ववर्ती गहलोत सरकार की मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना, अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की समीक्षा करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की भजन लाल शर्मा सरकार राज्य में पूर्व की कांग्रेस सरकार की मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना और महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की समीक्षा करेगी। राज्यपाल कलराज मिश्र ने शुक्रवार को विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व की गहलोत सरकार के घोटालों की भी जांच होगी, लेकिन कांग्रेस सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं बंद नहीं की जाएंगी।

राज्यपाल ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में राज्य का कर्ज 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़ गया है और राज्य में प्रति व्यक्ति कर्ज लगभग 70,000 रुपये तक पहुंच गया है। अपने 44 मिनट लंबे भाषण में राज्यपाल ने विधानसभा को बताया कि पूर्व की गहलोत सरकार की किन योजनाओं को लेकर भजन लाल सरकार आगे बढ़ेगी। इससे पहले सुबह 11 बजे राज्यपाल का अभिभाषण शुरू होते ही राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के विधायक हनुमान बेनीवाल ने हंगामा कर दिया।

उन्होंने विधानसभा के वेल में नारे लगाए और राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) को भंग करने की मांग की। अगले तीन दिन विधानसभा में छुट्टी रहेगी और 23, 24 और 29 जनवरी को राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस होगी। 30 जनवरी को भजन लाल शर्मा जवाब पेश करेंगे।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर मिथ्या आरोप लगाना अनुचित : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की मौजूदा सरकार ने राज्यपाल के अभिभाषण के जरिये पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर मिथ्या आरोप लगवाए हैं जो उचित नहीं है। गहलोत ने कहा कि इससे नयी सरकार की सोच जनता के सामने आ गई है। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल कलराज मिश्र ने शुक्रवार को विधानसभा में अभिभाषण दिया।

मिश्र ने अपने अभिभाषण में गहलोत के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर कहा, हमारी सरकार का यह नीतिगत निर्णय है कि विगत सरकार द्वारा संचालित जन कल्याण की योजनाओं को बंद नहीं किया जायेगा, लेकिन चुनावी वैतरणी पार करने के उद्देश्य से पूर्ववर्ती राज्य सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के आखिरी समय में, बिना बजटीय प्रावधानों के, आनन-फानन में घोषित की गई इन तथाकथित कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा अवश्य की जायेगी।

इसके बाद गहलोत ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट किया, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की योजनाएं ऐसी रहीं जिनकी चर्चा और सराहना प्रदेश ही नहीं पूरे देश में हुई। आमजन और कई विशेषज्ञों का तो यह मत है कि इन योजनाओं को पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए। नयी सरकार का कर्तव्य है कि इन योजनाओं का और बेहतर ढंग से जनता को लाभ पहुंचाए और राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के माध्यम से अपनी दृष्टि जनता के सामने रखे।

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी और रिवीजन के लिए विद्यार्थियों को मिलेंगे 'प्रश्न बैंक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के विद्यालयों में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए राज्य स्तर पर राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद से 'प्रश्न बैंक' प्रिंट कराकर सभी जिलों में विद्यालयों तक पहुंचाए जाएंगे। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने शुक्रवार को जयपुर में सचिवालय स्थित एनआईसी के वीसी रूम से आयोजित राज्य स्तरीय वीसी में प्रदेश के शिक्षा अधिकारियों और स्कूलों के संस्था प्रधानों को निर्देश दिए कि जिलों में इन 'प्रश्न बैंक' के पहुंचते ही विद्यार्थियों तक इनका समय पर वितरण सुनिश्चित करे। जैन ने कहा कि इसके साथ ही विद्यार्थियों की तैयारी में अतिरिक्त मदद के लिए मिशन ज्ञान के साथ समन्वय से रिवीजन क्लासेज भी शुरू की जा रही हैं, इनके लिंक्स भी स्कूलों और विद्यार्थियों तक पहुंचाए। उन्होंने कई जिलों में स्कूलों और अध्यापकों के स्तर पर ऐसे 'प्रश्न बैंक' तैयार कर विद्यार्थियों को लाभान्वित करने के प्रयासों की सराहना करते हुए अन्यों को इससे प्रेरणा लेने को कहा।

शासन सचिव ने वीसी में कहा कि कई राज्यों में टीचर्स एवं स्टूडेंट्स की ऑनलाइन अटेंडेंस अनिवार्य की जा चुकी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे टेक्नोलॉजी के प्रति समर्पित रहते हुए शाला दर्पण पोर्टल पर स्कूल अटेंडेंस सिस्टम, स्कूल विजिट मॉड्यूल, एनीमिया उन्मूलन प्रोग्राम और अन्य कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट की एंट्री समय पर सुनिश्चित करे। इसके लिए सभी कार्यालयों में कार्यरत शाला दर्पण प्रभारियों को पाबंद किया जाए। अधिकारी इसकी सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिलों में राजपत्रित अधिकारी अपने नियंत्रण अधिकारी की अनुमति के बगैर मुख्यालय नहीं छोड़े, इसकी पुख्ता मॉनिटरिंग हो, वहीं कार्मिकों की डीपीसी, अनुकम्पा नियुक्ति एवं पेंशन प्रकरणों का भी समयबद्ध तरीके से निस्तारण किया जाए।

जैन ने वीसी के दौरान भारत सरकार द्वारा पिछले दिनों राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत आरम्भ किए गए 'प्रेरणा प्रोग्राम' के लिए सभी जिलों में विद्यालयों और विद्यार्थियों का चयन करते हुए कॉम्पीटिशन के माध्यम से उनका चयन करने के बारे में भी निर्देश दिए। इस विशेष प्रोग्राम के तहत गुजरात के मेहसाणा जिले में बड़नगर स्थित वह स्कूल जहां देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षा प्राप्त की है, वहां प्रदेश के जिलों से कॉम्पीटिशन के माध्यम से चयनित दो-दो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्बंधित जिले के जवाहर नवोदय विद्यालयों के माध्यम से समन्वय करते हुए सात दिवस के विशेष आवासीय कैंप में जाने का अवसर मिलता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए इस कार्यक्रम के लिए प्रेरणा पोर्टल पर प्रत्येक जिले से अधिक से अधिक संख्या में विद्यार्थियों का पंजीकरण कराया जाएं। प्रदेश में अब तक इस प्रोग्राम के माध्यम से उदयपुर, सिरोही, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, पाली, चितौड़गढ़, राजसमंद एवं भीलवाड़ा जिलों से प्रेरणा प्रोग्राम के लिए विद्यार्थियों का चयन हो चुका है, इसमें उदयपुर और सिरोही जिले के स्टडेंट्स वर्तमान में मेहसाना गए हुए है।

तीन नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के तीन नवनिर्वाचित विधायकों ने शुक्रवार को शपथ ली। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नवनिर्वाचित विधायक जगत सिंह (नदबई), महेन्द्रजीत सिंह मालवीय (बागीदौरा) और रुपिन्द्र सिंह कुन्नर (करणपुर) को सदस्यता की शपथ दिलाई। बाकी विधायक पहले ही शपथ ले चुके हैं। इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र का अभिभाषण हुआ। सदन ने विगत दिनों दिवंगत हुए पूर्व राज्यपाल नवरंग लाल टिबरेवाल, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राम सिंह यादव, पूर्व राज्यमंत्री गुरमीत सिंह कुन्नर, पूर्व राज्य मंत्री शशि दत्त, पूर्व विधायक कैलाश चन्द भंसाली और डॉ. रामराय शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। सदन की कार्यवाही 23 जनवरी तक स्थगित कर दी गई।

शुक्रवार को ही कार्य सलाहकार समिति की बैठक में 30 जनवरी तक सदन में लिए जाने वाले कार्य तय किए गए। इसके अनुसार 23 जनवरी से राज्यपाल के अभिभाषण पर पेश धन्यवाद प्रस्ताव पर वाद विवाद शुरू होगा। तीस जनवरी को राज्य सरकार की ओर से जवाब दिया जाएगा। इस दौरान 20 से 22 जनवरी तथा 25 से 28 जनवरी तक बैठक नहीं होगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जोशी श्रीराम यात्रा में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के उपलक्ष में भाजपा जयपुर शहर द्वारा श्रीराम विशाल यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी शामिल हुए। अलबर्ट हॉल से रोजगारेश्वर महादेव मंदिर तक आयोजित की गई इस विशाल यात्रा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, श्रवण बगड़ी भाजपा जयपुर शहर जिला अध्यक्ष राघव शर्मा सहित बडी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन शामिल हुए।

22 जनवरी को आधे दिन का सार्वजनिक अवकाश

जयपुर। अयोध्या में राम मंदिर में होने प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर मद्देनजर 22 जनवरी को राजस्थान में आधे दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। उस दिन सभी राजकीय कार्यालयों में अपराह्न 2 बजे तक अवकाश रहेगा।

राजस्थान सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव पूरे भारत में मनाया जाएगा। आदेश में कहा गया है कि इसको देखते हुए 22 जनवरी को राज्य सरकार के समस्त राजकीय कार्यालयों, राजकीय उपक्रमों एवं शिक्षण संस्थानों में अपराह्न 2 बजे तक सार्वजनिक अवकाश रहेगा, जिससे कर्मचारी इस उत्सव में भाग ले सकें।

बेनीवाल ने आरपीएससी भंग करने की मांग को लेकर सदन में किया हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की नवगठित सोलहवीं विधानसभा के पहले सत्र की शुरुआत में राज्यपाल अभिभाषण के दौरान राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के विधायक हनुमान बेनीवाल ने राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) को भंग करने की मांग को लेकर हंगामा किया। सोलहवीं विधानसभा का पहला सत्र राज्यपाल कलराज मिश्र के अभिभाषण के साथ शुरु हुआ और इसी दौरान बेनीवाल अपने जगह खड़े हो गए और आरपीएसी को भंग करने की मांग को लेकर बोलने लगे। बाद में वह आरपीएसी भंग करो का पेपर लहराते हुए वेल में आ गये।

वेल में आने के बाद वह अभिभाषण दे रहे मिश्र के सामने की तरफ आ गये। इस पर उन्हें संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने टोका। इस पर सामने से हट गए और वेल में इस मांग को लेकर हंगामा करते रहे और बाद में वेल में ही बैठ गए और जब तक अभिभाषण समाप्त नहीं हुआ वह करीब पौन घंटे तक वेल में ही बैठे रहे। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती राज्य सरकार के समय पेपर लीक के मामले सामने आने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी उस समय आरपीएसी को भंग करने की मांग की थी।

राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्नशिप कार्यक्रम में कार्यरत रहे युवाओं से धरनास्थल पर मिलने पहुंचे पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट शुक्रवार को शहीद स्मारक पर धरना दे रहे राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्नशिप कार्यक्रम में कार्यरत रहे युवाओं से मिलने पहुंचे। इस अवसर पर पायलट ने कहा कि राज्य की मौजूदा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार युवाओं से रोजगार छीन रही है। उल्लेखनीय है कि मौजूदा सरकार ने राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्नशिप कार्यक्रम बंद करने की घोषणा की है। इसके विरोध में इस कार्यक्रम में कार्यरत रहे युवा यहां धरना दे रहे हैं।

पायलट शहीद स्मारक पर धरने पर बैठे युवाओं के साथ बैठे। उन्होंने राज्य सरकार की योजना को बंद करने की कार्रवाई को प्रतिशोध की भावना से उठाया गया कदम बताया। उन्होंने कहा, ''लोगों के रोजगार खत्म करके नौकरियां कम करने का जो काम हो रहा है, उसका हम सब विरोध करते हैं।''

उन्होंने कहा, ''यदि सरकार योजना के नाम, नियम शर्तें बदलना चाहती है या प्रावधानों में बदलाव करना चाहती है तो इन सब के लिए चर्चा करे, कोई दिक्कत नहीं है लेकिन पढ़े लिखे शिक्षित नौजवान ...जिनको रोजगार पहले से ही मिला हुआ है उनसे आप रोजगार छीन लें.. मैं इसको गलत कदम मानता हूं।'' उन्होंने कहा कि सरकार को आगे आकर इन लोगों से चर्चा करनी चाहिए । उन्होंने कहा, ''मैं आज इन सभी नौजवानों की मांगों का समर्थन देने के लिए यहां पर आया हूं और उम्मीद करता हूं कि सरकार विवेक का इस्तेमाल करके इन लोगों की नौकरी बहाल करेगी।'' उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को सदन व बाहर उठाया जाएगा क्योंकि जहां-जहां नौजवानों के साथ नाइंसाफी हुई है कांग्रेस पार्टी ने हमेशा बात रखी है चाहे वह सत्ता में हो या विपक्ष में हो।

खेत पर रखवाली करने गए किसान की ठंड से मौत

अलवर। राजस्थान में खैरथल तिजारा जिले में खेत पर रखवाली करने गए एक किसान की कड़ाके की ठंड के कारण मौत होने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक के ततारपुर थाना क्षेत्र के कुशालबास गांव निवासी सुखीराम (52) गुरुवार शाम आठ बजे खेत पर रखवाली करने गया गया था, लेकिन वह शुक्रवार सुबह तक घर वापस नहीं लौटा।

जोधपुर में उच्च न्यायालय परिसर में आसाराम के वकीलों पर अनुयायियों का हमला

जोधपुर/दक्षिण भारत। बलात्कार के एक मामले में जोधपुर केंद्रीय कारागार में आजीवन कारावास की सजा काट रहे स्वयंभू संत आसाराम के दो अनुयायियों ने बृहस्पतिवार को एक अलग मामले में सुनवाई के बाद यहां नए उच्च न्यायालय परिसर में आसाराम के वकीलों पर कथित रूप से हमला किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। वकीलों ने दोनों अनुयायियों को पकड़ लिया और कथित तौर पर उनकी जमकर पिटाई की तथा बाद में उन्हें पुलिस को सौंप दिया।

वकील विजय साहनी और उनके सहायक जब दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज कराने की अपील पर सुनवाई के बाद पार्किंग स्थल की ओर जा रहे थे तो दोनों अनुयायियों ने आसाराम के वकीलों के साथ पहले गाली-गलौज की और फिर उनके साथ मारपीट की। आरोपी कोटा स्थित डॉक्टर कपिल भोला और दिल्ली निवासी विशाल खन्ना लंबे समय से आसाराम के अनुयायी रहे हैं।

पुलिस के अनुसार दोनों ने वकीलों से शिकायत की कि कई वर्षों में कई सुनवाई के बावजूद वे आसाराम को 'न्याय नहीं दिला पाए'। कुड़ी भगतासनी के थाना प्रभारी (एसएचओ) देवेन्द्र देवड़ा ने कहा कि दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और हमले का कारण जानने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

प.बंगाल : जलपाईगुड़ी में रेल की पटरियां अवरुद्ध किए जाने से रेल सेवाएं बाधित

जलपाईगुड़ी/भाषा। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुडी जिले में अखिल कामतापुर छात्र संघ (एकेएसयू) के सदस्यों द्वारा अलग राज्य की अपनी मांग को लेकर शुक्रवार को सुबह रेल की पटरियां अवरुद्ध किए जाने के कारण रेल सेवाएं कुछ घंटों तक बाधित रहीं।

अधिकारियों ने बताया कि पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे(एनएफआर) के न्यू जलपाईगुड़ी-न्यू बोंगईगांव प्रखंड के बेटगारा स्टेशन पर नाकेबंदी सुबह सात बजे शुरू हुई। रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी और राज्य पुलिस के प्रदर्शनकारियों को समझाने तक नाकाबंदी लगभग तीन घंटे तक जारी रही।

एनएफआर के प्रवक्ता सब्यसाची डे ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को बहुत देर तक समझाने के बाद अवरोध हटाया गया। उन्होंने कहा,''ट्रेन अब अपने गंतव्य के लिए बढ़ रही हैं।

अधिकारियों ने बताया कि नाकेबंदी की वजह से जिन रेलगाड़ियों पर इसका असर पड़ा है उनमें न्यू जलपाईगुड़ी-गुवाहाटी वंदे भारत एक्सप्रेस भी शामिल है।

योगी आदित्यनाथ ने रामलला और हनुमानगढ़ी के दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

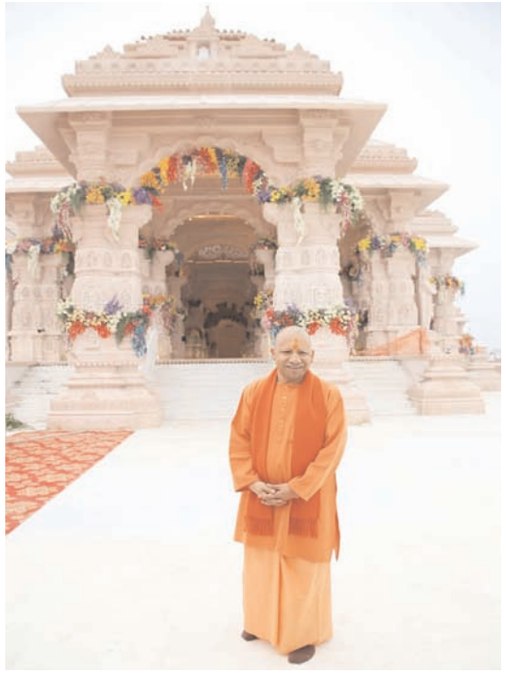

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे और यहां सबसे पहले हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन किया। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद मुख्यमंत्री राम मंदिर गए और उत्तर प्रदेश की समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की इस दौरान, मुख्यमंत्री ने 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों का जायजा भी लिया।

मुख्यमंत्री पिछले 11 दिन में तीसरी बारी अयोध्या के दौरे पर आए हैं। बाद में उन्होंने तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य से भी मुलाकात की। पद्म पुरस्कार से सम्मानित श्रीरामभद्राचार्य के 75वें जन्मदिवस पर अयोध्या के काशीराम कॉलोनी के पास अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया है। यह आयोजन 14 जनवरी से शुरू हुआ है, जो 22 जनवरी तक निरंतर चलेगा। आयोजन के छठवें दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी यहां पहुंचे। मुख्यमंत्री आयोजन स्थल पर चल रहे 1008 कुंडीय हनुमान महायज्ञ में शामिल हुए। योगी आदित्यनाथ ने आहुति देकर उत्तर प्रदेश की समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दर्शन-पूजन के उपरांत राम मंदिर भी पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री ने प्राण-प्रतिष्ठा की तैयारियों का जायजा लिया। इसके बाद शुक्रवार को पूजन में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने यहां दिव्य-भव्य मंदिर का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने 22 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम के मद्देनजर पूरे मंदिर परिसर का निरीक्षण किया।

यहां विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के संरक्षक दिनेश से व्यवस्था से जुड़ी जानकारी ली। फिर विहिप, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के साथ ही स्थानीय प्रशासन-पुलिस के अधिकारियों को चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था रखने का निर्देश दिया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले के पक्षकार को कथित तौर पर धमकी देने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान-ईदगाह प्रकरण के वादी आशुतोष पाण्डेय को कथित तौर पर पाकिस्तान और अन्य देशों से फोन व सोशल मीडिया के माध्यम से धमकी देने वाले अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध जिले के जैंत थाने की पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (नगर) डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि इस संबंध में जैंत थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 295 ए (धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने का प्रयास) 153 ए (विभिन्न धर्मों के बीव शत्रुता को बढ़ावा देना) 507 (अज्ञात हमलावरों द्वारा आपराधिक धमकी) तथा सूचना प्रौद्योगिकी कानून की धारा 67 में प्राथमिकी दर्ज करके मामले की जांच की जा रही है।

आशुतोष पांडेय के सहयोगी धर्मेन्द्र गिरि ने बताया कि यह प्राथमिकी मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव के आदेश पर दर्ज की गई है। गिरि ने बताया कि प्रमुख सचिव ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) से कार्यवाही के संबंध में तत्काल रिपोर्ट भी तलब की है।

एनडीआरएफ ने अयोध्या में विशेष वाहनों, बचाव दलों को तैनात किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भूकंप और बाढ़ जैसी घटनाओं के साथ ही रासायनिक, जैविक, रेडियोधर्मी और परमाणु हमलों से निपटने के लिए प्रशिक्षित राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) दलों को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर अयोध्या में तैनात किया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

एनडीआरएफ के महानिदेशक अतुल करवाल ने कहा कि ये दल किसी भी आपदा से निपटने के लिए अयोध्या में तालमेल संबंधी अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने एनडीआरएफ के 19वें स्थापना दिवस समारोह के इतर कहा, एनडीआरएफ के कई दल, दिल्ली में हाल में संपन्न जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान बल द्वारा खरीदे गए हानिकारक सामग्री रोधी वाहन (हजमत) अयोध्या में तैनात किए गए हैं ताकि किसी भी प्रकार की आपदा या परेशानी से प्रभावी रूप से निपटा जा सके। करवाल ने कहा कि हमारी बटालियन के कमांडिंग अधिकारी अयोध्या में डेरा डाले हुए हैं। उन्होंने कहा कि ये दल 22 जनवरी के समारोह के बाद भी अयोध्या में तब तक तैनात रहेंगे, जब तक कि शहर में श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रहती है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सरकारी तथा निजी क्षेत्र के कई प्रतिनिधि भाग लेंगे।

मोदी राज में सत्ता के गलियारे भ्रष्ट तत्वों से मुक्त हुए : उपराष्ट्रपति

अहमदाबाद/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार के तहत सत्ता के गलियारों को भ्रष्ट तत्वों से मुक्त कर दिया गया है और यही कारण है कि कुछ लोग परेशान हैं क्योंकि उनका मानना है कि कानून उन्हें कभी नहीं पकड़ पाएगा। गुजरात विश्वविद्यालय के 72वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि वे दिन गए जब काम केवल भ्रष्टाचार या संरक्षण के माध्यम से होता था। उन्होंने कहा, हमारे सत्ता गलियारों को भ्रष्ट तत्वों से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है। परिणामस्वरूप, कुछ लोग परेशान हैं। उन्हें लग रहा था कि उनके अच्छे दिन कभी खत्म नहीं होंगे। उन्हें लगा कि कानून उन्हें कभी नहीं पकड़ पाएगा।

धनखड़ ने कहा कि ऐसे लोगों को यह गलतफहमी थी कि वे कानून से ऊपर हैं, लेकिन आज उनकी गलतफहमी दूर हो गई है। भारत को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने वाली नीतियों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की सराहना करते हुए धनखड़ ने कहा कि 1990 के दशक में विदेशी मुद्रा की कमी के कारण देश को अपना सोना गिरवी रखना पड़ा था। कुछ लोगों ने मुझसे कहा कि आप उपराष्ट्रपति हैं और आपको खुद को राजनीति से अलग करने की जरूरत है। मैं सहमत हूं। मैं राजनीति में हितधारक नहीं हूं। लेकिन मैं राष्ट्रवाद में, शासन में एक हितधारक हूं। मैं इस सच्चाई से कैसे पीछे हट सकता हूं कि भारतीय होना ही मेरी पहचान है? मेरा देश महान है और मैं अपने देश की प्रगति देखकर आश्चर्यचकित हूं।

उत्तर भारत में घने कोहरे के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पंजाब से पश्चिम बंगाल तक कोहरे की एक चादर फैली हुई है, जिसके कारण बृहस्पतिवार रात से गंगा के मैदानी इलाकों में दृश्यता कम हो गई और इससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों से पता चला कि पंजाब, हरियाणा, उत्तरी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बृहस्पतिवार रात आठ बजे से कोहरा छाया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने बताया कि पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और त्रिपुरा के कुछ हिस्सों में बहुत घना कोहरा छाया रहा। उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में मध्यम कोहरा छाया रहा। सुबह 5.30 बजे, बठिंडा और बीकानेर में दृश्यता का स्तर शून्य मीटर था, वहीं अमृतसर और पटियाला में 25 मीटर, गंगानगर, चुरू, हिसार, पालम, सफदरजंग, जयपुर और अगरतला में 50 मीटर; और अंबाला, देहरादून, सुल्तानपुर (पूर्वी यूपी), पूर्णिया, भागलपुर, रांची और झारसुगुड़ा में 200 मीटर रहा। भारतीय रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 22 ट्रेन साढ़े छह घंटे तक की देरी से चल रही हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अमृतसर हवाई अड्डे पर रात आठ बजे तक दृश्यता का स्तर गिरकर शून्य मीटर हो गया, जबकि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास पालम वेधशाला में यह रात 9.30 बजे 1400 मीटर से अचानक गिरकर 10 बजे 400 मीटर हो गया।

भाजपा आदिवासियों को वनों तक ही सीमित रखना चाहती है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

माजुली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी आदिवासियों को वनों तक सीमित रख कर उन्हें शिक्षा तथा अन्य अवसरों से वंचित करना चाहती है।

राहुल ने असम में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दूसरे दिन पहली जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि कांग्रेस मूल निवासियों के तौर पर संसाधनों पर 'आदिवासियों' के अधिकारों को मान्यता देती है। उन्होंने कहा, हम आपको आदिवासी कहते हैं जिसका अर्थ है आदि काल से रहने वाले। भाजपा आपको वनवासी कहती है जिसका अर्थ है वन में रहने वाले लोग। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा आदिवासियों को वनों तक ही सीमित करना चाहती है और उनके बच्चों को स्कूल तथा विश्वविद्यालय जा कर शिक्षा ग्रहण करने, अंग्रेजी सीखने एवं कारोबार करने के अवसरों से वंचित करना चाहती है। राज्य में भाजपा नीत गठबंधन सरकार है। राहुल ने द्वीपीय जिले माजुली में आदिवासियों को संबोधित करते हुए कहा, हम चाहते हैं कि जो आपका है उसे आपको लौटाया जाना चाहिए।

बागपत में 3 नाबालिग बहनें एक साथ हुईं लापता, पुलिस तलाश में जुटी

बागपत (उप्र)/भाषा। जनपद के लुहारी गांव की रहने वाली तीन नाबालिग सगी बहनों के बीते दो दिनों से रहस्यमय ढंग से गायब होने का मामला सामने के बाद पुलिस ने इस संबंध में प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

बड़ौत के पुलिस क्षेत्राधिकारी सविरत्न गौतम ने बताया कि थाना बड़ौत पुलिस को लड़कियों के पिता ने बृहस्पतिवार को एक शिकायत दी, जिसमें कहा गया है कि गांव लुहारी से तीनों सगी बहनें 17 जनवरी की सुबह करीब साढ़े दस बजे अपने घर से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गईं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में तत्काल मामला दर्ज किया गया। गौतम ने बताया कि तीनों बहनों की आयु क्रमशः 17,14 और 11 वर्ष है। उन्होंने बताया कि तीनों बहनों की बरामदगी के लिए टीम का गठन किया गया है और आसपास के क्षेत्रों में उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस क्षेत्राधिकारी गौतम ने बताया कि सर्विलांस टीम ने गांव में लगे सीसीटीवी के फुटेज को खंगाला।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के लिए भारत जैसे देश में कोई जगह नहीं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक राष्ट्र, एक चुनाव के विषय पर सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति को पत्र लिखकर कहा है कि संसदीय शासन व्यवस्था को अपनाने वाले देश में एक साथ चुनाव की अवधारणा के लिए कोई स्थान नहीं है तथा उनकी पार्टी 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के विचार का पुरजोर विरोध करती है।

समिति के सचिव नीतेन चंद्र को भेजे सुझाव में खरगे का यह भी कहना था कि एक साथ चुनाव कराने का विचार संविधान की मूल संरचना के विरुद्ध है और यदि एक साथ चुनाव की व्यवस्था लागू करनी है तो संविधान की मूल संरचना में पर्याप्त बदलाव की आवश्यकता होगी। उन्होंने पत्र में कहा, जिस देश में संसदीय शासन प्रणाली अपनाई गई हो, वहां एक साथ चुनाव की अवधारणा के लिए कोई जगह नहीं है। सरकार द्वारा एक साथ चुनाव के ऐसे प्रारूप संविधान में निहित संघवाद की गारंटी के खिलाफ हैं। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति की ओर से सुझाव के लिए पिछले साल 18 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखा गया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने 17 बिंदुओं में अपने सुझाव समिति के पास भेजे हैं। खरगे ने कहा, सरकार और इस समिति को शुरू में ही इसको लेकर ईमानदार होना चाहिए था कि वे जो प्रयास कर रहे हैं वह संविधान की मूल संरचना के विरुद्ध हैं और यदि एक साथ चुनाव लागू करना है तो संविधान की मूल संरचना में पर्याप्त बदलाव की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी और देश के लोगों की ओर से मैं उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष (कोविंद) से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि वे संविधान और संसदीय लोकतंत्र को नष्ट करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उनके व्यक्तित्व और भारत के पूर्व राष्ट्रपति के पद का दुरुपयोग न करने दें। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के विचार का कड़ा विरोध करती है। एक संपन्न और मजबूत लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि इस पूरे विचार को त्याग दिया जाए।

लालू ने नीतीश से की मुलाकात, तेजस्वी का दावा - सब ठीक है

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने शुक्रवार को बिहार के मुख्यमंत्री एवं जदयू प्रमुख नीतीश कुमार से उनके आवास पर मुलाकात की। इस मौके पर लालू प्रसाद के बेटे एवं उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी उनके साथ थे। बैठक के बाद अपने आवास लौटे तेजस्वी यादव ने संवाददाताओं से कहा कि दरार की अफवाहें ''जमीनी हकीकत'' से अलग हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, मुझे दुख होता है जब आप लोग ऐसे सवाल पूछते हैं जो जमीनी हकीकत से बिल्कुल अलग होते हैं। आखिर इस बात को लेकर इतनी उत्सुकता क्यों है कि महागठबंधन में सीटों का बंटवारा कब अंतिम रूप ले सकता है? क्या भाजपा के नेतृत्व वाले राजग ने इसे अपने खेमे में सुलझा लिया है?'' माना जा रहा है कि महागठबंधन में शामिल जनता दल (यूनाइटेड) के नेता सीट-बंटवारे को लेकर तेजी से फैसला किए जाने पर जोर डाल रहे हैं। हालांकि, कुछ दिन पहले ही लालू ने इन दावों को खारिज कर दिया था।

फारूक अब्दुल्ला ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समोराह से पहले पूछा, क्या राम एक मंदिर तक सीमित हैं

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले शुक्रवार को सवाल किया कि क्या भगवान राम एक मंदिर तक ही सीमित हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए यह भी पूछा कि क्या श्री राम विशेष रूप से भाजपा या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के ही हैं। उन्होंने कहा, राम पर किसी का एकाधिकार नहीं है। अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, क्या भगवान राम केवल एक मंदिर में रहते हैं? क्या राम के पास कोई अन्य घर (मंदिर) नहीं है? राम सर्वव्यापी हैं। वह वहां भी हैं जहां कोई राम मंदिर नहीं है। वह पूरी दुनिया के राम हैं। उन्होंने कहा कि श्री राम किसी एक संप्रदाय के नहीं हैं और उन्हें केवल 'हिंदू' के रूप में चित्रित करना गलत है। अयोध्या में 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए राजनीतिक दलों द्वारा दिए गए निमंत्रण पर प्रतिक्रिया देते हुए, अब्दुल्ला ने कहा, क्या राम केवल भाजपा के हैं? क्या राम केवल आरएसएस के हैं? वे कौन होते हैं किसी को आमंत्रित करने वाले? आपको मंदिर जाने के लिए निमंत्रण की आवश्यकता क्यों है?''

न्यायालय का 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' पक्षी को बचाने के लिए केंद्र को 'व्यापक' योजना बनाने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने विलुप्तप्राय पक्षी 'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' (जीआईबी) को बचाने के मामले में गेंद केंद्र सरकार के पाले में डालते हुए इसपर 'व्यापक' योजना तैयार करने का निर्देश दिया, साथ ही सौर ऊर्जा को लेकर भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धता को भी ध्यान में रखा।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड पक्षी विशेष रूप से राजस्थान और गुजरात में पाया जाता है और 'इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' (आईयूसीएन) की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, यह पक्षी विलुप्त होने के कगार पर हैं और इनकी संख्या 50 से 249 के बीच है।

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे. बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, हम चाहते हैं कि केंद्र हमें आगे के रास्ते के बारे में बताए, अन्यथा हम अंधेरे में हाथ पांव मारते रहेंगे। शीर्ष अदालत ने केंद्र से यह भी जानना चाहा कि क्या वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित कोई डेटा है कि ये पक्षी 'ओवरहेड पावर ट्रांसमिशन लाइन' से टकराने से मरते हैं।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने पूछा, क्या हमारे पास जीआईबी को 'ओवरहेड पावर ट्रांसमिशन लाइन' से टकराने से होने वाली मौतों से बचाने में 'बर्ड डायवर्टर्स' के प्रभाव पर सरकार की निगरानी में किये गए अध्ययन से प्राप्त कोई प्रामाणिक आंकड़ा है?'' उन्होंने कहा कि अब केंद्र को आगे के रास्ते का निर्णय करना होगा, क्योंकि न्यायालय पहले ही अपना फैसला सुना चुका है। पीठ ने कहा, मैं 'बर्ड डायवर्टर्स' के बारे में आशावादी नहीं हूं। 'बर्ड डायवर्टर्स' के प्रभाव पर केंद्र के पास क्या आंकड़ा है? हम एजी (एटॉर्नी जनरल) से आगे की योजना के बारे में पूछ रहे हैं।

भारतीय टीम में दिखी अनुभव की कमी, विदेशी कोच की जरूरत नहीं थी : पिल्लै

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चार बार के ओलंपियन महान फॉरवर्ड धनराज पिल्ले ने कहा कि पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने से चूकी भारतीय महिला हॉकी टीम में अनुभवी खिलाड़ियों की कमी नजर आई और उन्हें नहीं लगता कि टीम को विदेशी कोच की जरूरत है।

रांची में चल रहे एफआईएच ओलंपिक महिला हॉकी क्वालीफायर में तीसरे स्थान के मुकाबले में जापान ने भारत को 1.0 से हराया। जर्मनी और अमेरिका फाइनल में पहुंचकर पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं। टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने के बाद से भारतीय महिला हॉकी टीम का फोकस पेरिस ओलंपिक पर था लेकिन एशियाई खेलों के जरिये टीम सीधे क्वालीफाई करने से चूक गई थी। यह क्वालीफायर उसके पास एकमात्र मौका था जिसे भी उसने गंवा दिया। चार ओलंपिक और चार विश्व कप खेल चुके धनराज ने कहा, पिछले एक डेढ साल में महिला हॉकी कोच को पूरी स्वतंत्रता दी गई। लेकिन तीन चार अनुभवी खिलाड़ी टीम में वापसी के लिए तरसते रहे जिन्हें सीनियर बोलकर टीम से निकाल दिया। उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में टीम की कप्तान रही रानी रामपाल का नाम लिए बगैर कहा, इन लड़कियों ने घरेलू हॉकी और राष्ट्रीय खेलों में अच्छा प्रदर्शन किया। सीनियर खिलाड़ियों को टीम में रखकर कैसे अच्छा प्रदर्शन कराना है, यह कोच के हाथ में होता है। उन्हें मौका दिए बिना बाहर करना सही नहीं था। इसका नतीजा सामने है। यही समय था कि अनुभवी खिलाड़ियों को जूनियर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने के लिए टीम में होना चाहिए था। फॉरवर्ड लाइन में तालमेल नहीं था हालांकि टीम को वंदना कटारिया की कमी खली जो चोट के कारण बाहर थी। धनराज ने कहा, मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ था जब 1998 एशियाई खेलों के बाद मेरे समेत सात लोगों को बाहर किया था लेकिन मैं छह साल और खेला। उन्होंने कहा कि पूर्व भारतीय खिलाड़ियों की अनदेखी करके विदेशी कोच लाने की कोई जरूरत नहीं थी जब नतीजे ही नहीं मिल रहे। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि हमें विदेशी कोच की जरूरत थी।

शमी के वीडियो देखकर सीम गेंदबाजी का अभ्यास कर रहे हैं ओली रॉबिंसन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अबुधाबी/भाषा। मोहम्मद शमी गेंद की 'सीम' बहुत अच्छी तरह से इस्तेमाल करके गेंदबाजी करते हैं और इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिंसन भारत के खिलाफ 25 जनवरी से शुरू होने वाली टेस्ट शृंखला से पहले इस भारतीय तेज गेंदबाज के वीडियो देखकर इस कला का अभ्यास कर रहे हैं।

इंग्लैंड की टीम अभी अबुधाबी में भारत जैसी परिस्थितियों में अभ्यास कर रही है और वह पहले टेस्ट मैच के लिए 21 जनवरी को हैदराबाद पहुंचेगी। भारत के खिलाफ 2021 की शृंखला में नेट गेंदबाज की भूमिका निभाने वाले रॉबिंसन को उम्मीद है कि स्टुअर्ट ब्राड के संन्यास लेने के बाद वह आगामी शृंखला में बड़ी भूमिका निभाएंगे। रॉबिंसन ने कहा,''मैं असल में मोहम्मद शमी की तरह सीधी सीम से गेंदबाजी करने का अभ्यास कर रहा हूं। वह भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं। मैंने इशांत शर्मा को भी गेंदबाजी करते हुए देखा है। वह ससेक्स की तरफ से कुछ समय के लिए खेला है और उसने लंबे समय तक भारत की तरफ से अच्छा प्रदर्शन किया है। वह भी मेरी तरह लंबे कद का है। भारत के इंग्लैंड के पिछले दौर में रॉबिंसन ने 21 विकेट लिए थे लेकिन भारतीय विकटों पर चुनौती भिन्न तरह की होगी। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि आप नहीं जानते कि आप किस तरह की तैयारी कर रहे हैं। यह एक तरह की चुनौती है जिससे मेरा पहले कभी सामना नहीं हुआ है। रॉबिंसन ने कहा,''इस दौरे में परिस्थितियों से तालमेल बिठाना सबसे महत्वपूर्ण होगा। आपको पिच देख कर इसका आकलन करना होगा।

सुविचार

शक्ति जीवन है, निर्बलता मृत्यु हैं।
विस्तार जीवन है, संकुचन मृत्यु हैं।
प्रेम जीवन है, द्वेष मृत्यु हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ज्ञान के नए द्वार

केंद्र सरकार द्वारा स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों को अगले तीन साल के अंदर भारतीय भाषाओं में सभी पाठ्यक्रमों के लिए अध्ययन सामग्री डिजिटल रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश स्वागत-योग्य है। आज जब डिजिटल माध्यम का इतनी तेजी से प्रसार हो रहा है तो भारतीय भाषाओं में पाठ्यक्रमों को इस मंच पर ज़रूर उपलब्ध कराना चाहिए। देश-दुनिया के वैज्ञानिकों, विषय विशेषज्ञों के विचारों को डिजिटल स्वरूप में उपलब्ध कराने से विद्यार्थियों के लिए ज्ञान के नए द्वार खुलेंगे। अभी तक यही समझा जाता रहा है कि डिजिटल माध्यम में अच्छी सामग्री सिर्फ अंग्रेज़ी में उपलब्ध हो सकती है। इस धारणा के पीछे कई वजह हैं। निस्संदेह अंग्रेज़ी वह भाषा है, जो आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के प्रचार-प्रसार में बहुत आगे है। इस मामले में अन्य भाषाएं अगर पीछे रह गईं तो इसकी एक वजह यह भी है कि अनुवाद के क्षेत्र में उस स्तर का काम नहीं हुआ, जैसा होना चाहिए था। यह धारणा भी ग़लत है कि उत्कृष्ट सामग्री का भारतीय भाषाओं या अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं हो सकता। अगर ऐसा होता तो आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की पढ़ाई रूसी, मंदारिन, जर्मन, कोरियन जैसी भाषाओं में कैसे संभव है? भारत में स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों के पाठ्यक्रम हिंदी और स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध हो सकते हैं। उनके अनुवाद पर ठीक तरह से काम करने के बाद डिजिटल स्वरूप में उपलब्ध कराने का सिलसिला शुरू होने पर इसमें सुधार किए जा सकते हैं। आज ज़रूरत इस बात की है कि न तो कोई विद्यार्थी किताबों की अनुपलब्धता के कारण असुविधा का सामना करे और न ही इस वजह से कठिनाई महसूस करे, क्योंकि अध्ययन सामग्री उसकी भाषा में नहीं है।

शिक्षा, खासतौर से स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रमों में बहुत सुधार करने की ज़रूरत है। विज्ञान, गणित जैसे विषय, जिन्हें प्रायः कठिन माना जाता है, के पाठ्यक्रमों में रोचकता का समावेश होना चाहिए। इनकी सामग्री ऐसी होनी चाहिए, जो बच्चों में जिज्ञासा और रुचि पैदा करे, विद्यार्थी रटने के बजाय मूल सिद्धांत को समझें। जिन विदेशी वैज्ञानिकों, गणितज्ञों, विशेषज्ञों ने नए सिद्धांत दिए हैं, उनकी मौलिकता बरकरार रखने के साथ उन्हें स्थानीय भाषा में रुचिकर उदाहरणों द्वारा बेहतर ढंग से समझाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, अगर विज्ञान की कक्षा में प्लम पुडिंग मॉडल को लड्डू या तरबूज सामने रखकर समझाया जाए तो विद्यार्थी उसे ज्यादा रुचि के साथ समझेंगे। हिंदी और स्थानीय भाषाओं में पाठ्यक्रम उपलब्ध कराते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि अगर कहीं अंग्रेज़ी से अनुवाद करना हो तो वह मशीनी अनुवाद न हो। अनुवाद सरल होना चाहिए, कृत्रिमता न झलके। तकनीक की मदद ली जा सकती है, लेकिन पूरी तरह उसी पर निर्भर न रहा जाए। करीब एक दशक पहले किसी विश्वविद्यालय ने अर्थशास्त्र विषय की कुछ किताबों का अंग्रेज़ी से हिंदी अनुवाद कराया था। इसके बाद वे किताबें डिजिटल माध्यम से भी प्रस्तुत की गईं, लेकिन उस अनुवाद को पढ़कर विषय को समझना बहुत कठिन था। जिसे अर्थशास्त्र और अनुवाद की थोड़ी-सी भी समझ थी, वह आसानी से पता लगा सकता था कि अनुवाद के नाम पर मशीनी अनुवाद परोस दिया गया। संभवतः जिसे अनुवाद करने की जिम्मेदारी सौंपी गई, उसने ज़्यादा मेहनत करने के बजाय मूल सामग्री को कॉपी कर इंटरनेट से 'अनुवाद' कर दिया। वही किताबों में छप गया और विद्यार्थियों तक पहुंच गया। अब किसी को वह मशीनी अनुवाद समझ में आए या न आए, इससे कोई सरोकार नहीं! इसलिए अध्ययन सामग्री को स्थानीय भाषा में और डिजिटल माध्यम में उपलब्ध कराना ही काफी नहीं है। यह सामग्री अद्यतन हो, सरल हो और रोचक भी हो। अगर इस परियोजना पर ढंग से काम किया गया तो शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाए जा सकते हैं। डिजिटल माध्यम एक विशाल पुस्तकालय बन सकता है, जो हर विद्यार्थी से मात्र कुछ सेकंड की दूरी पर होगा। कोई पाठ याद करना हो या टेस्ट / परीक्षा की तैयारी करना, डिजिटल माध्यम बहुत काम आएगा। हमें इस तरह शिक्षा का भारतीयकरण करना होगा, इंटरनेट का भी भारतीयकरण करना होगा। आज अंग्रेज़ी के विरोध की नहीं, बल्कि भारतीय भाषाओं को वह प्रतिष्ठित स्थान दिलाने की ज़रूरत है, जिसकी वे हकदार हैं।

ट्वीटर टॉक

हमारी सरकार पहले दिन से प्रयास कर रही है कि श्रीराम के आदर्शों पर चलते हुए देश में सुशासन हो, ईमानदारी का राज हो। ये रामराज्य ही है जिसने सबका साथ, सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास की प्रेरणा दी है।

-नरेन्द्र मोदी

22 जनवरी को सम्पूर्ण रामभक्तों के लिए बड़ा दिन है। इस पावन दिन को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सुनिश्चित है। अतः राजस्थान सरकार ने इस पुनीत अवसर को ध्यान में रखते हुए आधे दिन का अवकाश रखने का निर्णय लिया है।

-दीया कुमारी

महान सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के लिए प्रसिद्ध सवाई माधोपुर के स्थापना दिवस की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। क्षेत्र की आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए अनंत मंगलकामनाएं।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

असली गुरु

मगध के राजा सर्वदमन को राजगुरु की नियुक्ति अपेक्षित थी। एक दिन महापंडित दीर्घलोभ उधर से निकले। राजा से भेंट-अभिवादन के उपरांत महापंडित ने कहा, 'राजगुरु का स्थान आपने रिक्त छोड़ा हुआ है। उचित समझें तो उस स्थान पर मुझे नियुक्त कर दें।' राजा यह सुनकर बहुत प्रसन्न हुए। साथ ही एक निवेदन भी किया कि आपने जो ग्रंथ पढ़े हैं, कृपया एक बार सबको फिर पढ़ लें। जब तक आप आएंगे नहीं, वह स्थान रिक्त ही पड़ा रहेगा। महापंडित वापस अपनी कुटी में चले गए और सब ग्रंथ ध्यानपूर्वक पढ़ने लगे। जब पढ़ लिए तो फिर नियुक्ति का आवेदन लेकर राजदरबार में उपस्थित हुए। राजा ने नम्रतापूर्वक एक बार फिर उन ग्रंथों को पढ़ लेने के लिए कहा। दीर्घलोभ असमंजसपूर्वक फिर पढ़ने के लिए चल दिए। नियत अवधि बीत गई, पर पंडित वापस न लौटे। तब राजा स्वयं पहुंचे और न आने का कारण जानने लगे। पंडित ने कहा, 'गुरु अंतरात्मा में रहता है। बाहर के गुरु कामचलाऊ भर होते हैं। आप अपने अंदर के गुरु से परामर्श लिया करें।' राजा ने नम्रतापूर्वक पंडित जी को साथ ले लिया और उन्हें राजगुरु के स्थान पर नियुक्त किया और बोले 'अब आपने शास्त्रों का सार जान लिया, इसलिए आप उस स्थान को सुशोभित करें।'

सामयिक

तीन राज्यों का दौरा

दक्षिण की सीटों पर प्रधानमंत्री मोदी की नजर

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

देश लोकसभा चुनाव के मुहाने पर खड़ा है। भाजपा सत्ता की हैट्रिक लगाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव से पहले मिशन साउथ पर जुट गए हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री मोदी आज यानी 19 जनवरी को तमिलनाडु का दौरा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले चार दिन में दक्षिण के तीसरे राज्य की यात्रा होगी। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 16-17 जनवरी को आंध्र प्रदेश और केरल के दौरे पर पहुंचे थे। नए साल की शुरुआत में ही प्रधानमंत्री मोदी का लगातार दक्षिण राज्यों का दौरा भाजपा के 'मिशन साउथ' का हिस्सा बताया जा रहा है।

दरअसल, भाजपा ने लोकसभा चुनाव में 400 सीटों का लक्ष्य रखा है। भाजपा को इस लक्ष्य को पाने के लिए उत्तर के साथ साथ दक्षिण का किला भी भेदने की जरूरत है। ये वही राज्य हैं, जहां भाजपा का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने साल की शुरुआत से ही दक्षिण के राज्यों का रुख कर रखा है। यहां न सिर्फ उन्होंने तमाम योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, बल्कि प्रमुख मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना भी की। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन को इन 134 में से 31 सीटें मिली थीं। कांग्रेस ने 65 जबकि अन्य ने 36 सीटों पर जीत हासिल की थी। दरअसल इस नव वर्ष में ही जनवरी से प्रधानमंत्री मोदी के दक्षिण भारत के दौरे पर है । 2 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु दौरे पर गए थे। 3 जनवरी को वे लक्षद्वीप और केरल में थे।16 जनवरी को आंध्र प्रदेश दौरे पर पहुंचे। 17 जनवरी को केरल का दौरा किया।19 जनवरी को प्रधानमंत्री तमिलनाडु का दौरा कर रहे हैं ।

देखा जाए राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण भारत के प्रमुख मंदिरों की यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को केरल दौरे पर पहुंचे थे। यहां उन्होंने त्रिशूर में गुरुवायूर मंदिर में पूजा अर्चना की। इस मंदिर में भगवान कृष्ण की पूजा होती है। इसके बाद प्रधानमंत्री दक्षिण भारत के पारंपरिक कपड़े पहनकर त्रिशूर में ही त्रिप्रयार के रामास्वामी मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चना की। पूजा पाठ के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 4000 करोड़ की योजनाओं का शुभारंभ किया और फिर रैली को संबोधित करते हुए अयोध्या के राम मंदिर और केरल के कनेक्शन का जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान कहा कि अयोध्या में मंदिर बन रहा है। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से ठीक पहले त्रिप्रयार श्री रामास्वामी मंदिर में पूजा करने का सौभाग्य मिला है। रामास्वामी मंदिर में भगवान राम की 6 फीट ऊंची मूर्ति है।खास बात ये है कि यहां भगवान राम चतुर्भुज रूप में दिखते हैं।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आंध्र प्रदेश के लेपाक्षी में वीरभद्र स्वामी मंदिर में पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया था। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने तेलुगु में रंगनाथ रामायण के छंद सुने और आंध्र प्रदेश की पारंपरिक छाया कठपुतली कला जिसे थोलू बोम्मालता के नाम से जाना जाता है, के माध्यम से प्रस्तुत जटायु की कहानी देखी। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्विटर पर लिखा, उन सभी लोगों के लिए जो प्रभु श्री राम के भक्त हैं, लेपाक्षी का बहुत महत्व है। आज मुझे वीरभद्र मंदिर में प्रार्थना करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैंने प्रार्थना की कि भारत के लोग खुश रहें, स्वस्थ रहें और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छुएं। लेपाक्षी के वीरभद्र मंदिर में, रंगनाथ रामायण सुनी और रामायण पर कठपुतली शो भी देखा।

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को चेन्नई पहुंच गए । यहां प्रधानमंत्री तमिलनाडु के प्रमुख मंदिरों में दर्शन और पूजा के बाद वह रामेश्वरम भी गए । प्रधानमंत्री मोदी शनिवार सुबह श्री रंगनाथस्वामी मंदिर तिरुचिरापल्ली में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। वे रामेश्वरम के श्री अरुलमिगु रामानाथसामी मंदिर में स्मरण और दर्शन करेंगे और दोपहर साढ़े तीन बजे विभिन्न भाषाओं में रमन पथ में हिस्सा लेंगे।प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को श्री रामकृष्ण मठ में रुकेंगे। 21 जनवरी सुबह साढ़े नौ बजे अरिचल मुनई में दर्शन और पूजा करेंगे और सुबह साढ़े दस बजे कोतांडरम स्वामी मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगे।

दरअसल दक्षिण में कर्नाटक को छोड़ दें तो किसी भी राज्य में भाजपा मजबूत स्थिति में नहीं है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी विकास योजनाओं के जरिये इन राज्यों में स्थिति को मजबूत करने में तो जुटे ही हैं, साथ साथ हिंदुत्व कार्ड को भी एजेंडे में रखा है। इन राज्यों की सियासत को अगर प्रधानमंत्री साध लेते हैं तो फिर 400 का आंकड़ा आसान हो जाएगा। दक्षिण का किला मजबूत करने के लिए भाजपा मजबूत साथियों को भी तलाश रही है। सियासी गलियारों में साल भर से इस बात की भी चर्चा है कि दक्षिण में विजय पताका फहराने के लिए मोदी तमिलनाडु की किसी सीट से चुनाव भी लड़ सकते हैं। हालांकि ये बात अभी भविष्य के गर्भ में है। लेकिन इतना तय है कि प्रधानमंत्री के एजेंडे में दक्षिण भारत फिलहाल सबसे ऊपर है। अब इसे संयोग कहिये या प्रयोग, अयोध्या में भगवान राम की जो नई मूर्ति स्थापित हो रही है उसके मूर्तिकार अरुण योगीराज हैं जो कर्नाटक के रहने वाले हैं। मंदिर के उदघाटन से पहले मोदी भगवान राम से दक्षिण भारत के रिश्तों को उभार रहे हैं और इस बात को यहां याद रखना चाहिए कि 90 के दशक में मंदिर आंदोलन के दौरान दक्षिण भारत की बड़ी भूमिका रही है। हालांकि ये अलग बात है कि आंदोलन के दौरान दक्षिण भारत की सियासत में राम मंदिर बहुत बड़ा मुद्दा नहीं बन पाया। लेकिन अब जब मंदिर बन कर तैयार हो रहा है तो अतीत के पन्नों को पलटा जा रहा है। अब इसी रिश्ते को अयोध्या से जोड़कर उभारने की कोशिश हो रही है। ये कोशिश कितनी कामयाब होगी ये आने वाला वक्त बताएगा।

गौरतलब है कि दक्षिण भारत के तमिलनाडु और काशी के संबंधों को और मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से एक बार फिर दिसंबर महीने में काशी तमिल संगमम का आयोजन किया गया था । इससे पहले भी पिछले वर्ष काशी और तमिल संगमम का आयोजन किया गया था। जिस दौरान काशी में एक महीने तक अलग-अलग मंत्रालयों के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, जिसमें दक्षिण भारत से बड़ी संख्या में लोग काशी पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल हुए थे।इसके साथ ही यह समागम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह ऐसा दांव साबित हो सकता है, जो 2024 लोकसभा की तैयारी में जुटे राहुल गांधी की कोशिश पर पानी फेर सकता है। 2024 आम चुनावों को लेकर जहां एक और कांग्रेस के राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा करते रहे हैं। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने भी दक्षिण को अपनी प्राथमिकता में रखा हुआ है। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी ने कोई यात्रा नहीं बल्कि तमिल भाषियों को उत्तर भारत से मिलाने का प्लान तैयार किया हुआ है। इतना ही नहीं यहां से वह एक विशेष ट्रेन जोकि बनारस और रामेश्वरम के बीच चलेगी, उसे भी मोदी हरी झंडी दिखा दी थी । राजनीतिक विश्लेषक इसे सोची समझी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री मोदी का दक्षिण में पैर पसारने का मास्टर स्ट्रोक ही मानते रहे हैं।

दक्षिण भारत के विशेष कर तमिलनाडु राज्य में अगर बीते एक दशक की राजनीति को देखा जाए तो करुणानिधि और जय ललिता की मृत्यु के बाद एक बड़ा शून्य आ गया है। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक इससे पूरी तरह से इत्तेफाक रखते हैं। वे बताते है कि अगर आप तमिलनाडु के बीते 10 वर्षों के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो जय ललिता और करुणानिधि के मृत्यु के बाद सिर्फ एक बड़ा नाम स्टालिन ही दिखता है। कांग्रेस के पी. चिदंबरम हों या उनके बेटे कार्ति चिदंबरम यह धीरे-धीरे तमिलनाडु की राजनीति में अप्रासंगिक होते जा रहे हैं। इसके अलावा तमिलनाडु के जितने भी बड़े नेता हैं, वह अपने क्षेत्र विशेष तक सीमित हैं। ऐसे में दक्षिण भारत की राजनीति में एक बड़ा शून्य है और कहीं ना कहीं अपनी लगातार यात्राओं के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसे रिक्त स्थान को भरने के लिए भी लगातार प्रयास कर रहे हैं।

विशेष

राष्ट्र को राजनीति नहीं, रामनीति की जरूरत

आशीष वशिष्ठ
मोबाइल : 99362 47777

श्रीराम केवल एक महापुरुष, केवल एक दैवी शक्ति संपन्न राजा या भगवान नहीं थे। श्रीराम का जीवन और चरित्र भारत राष्ट्र की जीवन चरित्र है। महाकवि कालिदास ने उनके व्यक्तित्व की तुलना हिमालय और सागर के साथ एक साथ करके यह बता दिया है कि राम व्यक्ति नहीं राष्ट्र हैं। भारत और उसकी सनातन परम्परा के लिए राम ही राष्ट्र हैं और राष्ट्र ही राम है। भारत के कण-कण में राम समाविष्ट हैं। भारत के चरित्र ही नहीं भारत के अस्तित्व के आधार राम हैं।

श्रीराम का अर्थ है मर्यादा। राम राज्य की स्थापना का अर्थ है मर्यादा की स्थापना। बहुत सोच-समझ कर बनाए गए हमारे संविधान में विविध प्रावधान होने पर भी, पारदेशीय संस्कृति और समाज के प्रभाव के कारण विविध प्रकार की विसंगतियां हमारे समाज में आज भी विद्यमान हैं। कर्त्तव्य विस्मृत करके केवल अधिकार की लड़ाई ने समाज में अविश्वास और घृणा का वातावरण पैदा कर दिया है। श्रीराम की मर्यादा का अर्थ है कर्त्तव्य का सर्वोपरि होना। कर्त्तव्य सर्वोपरि हो तो अधिकार, उत्तरदायित्वपूर्ण अधिकार स्वतः प्राप्त हो जाता है।

रामराज्य शासन की आदर्श संकल्पना है। एक ऐसी राज व्यवस्था जहां न कोई दुखी हो और न ही अभावों से ग्रस्त हो। जहां जन-जन भय मुक्त हो और चर्तुदिक शांति हो। जहां का शासन सभी के लिए मंगलकारी हो। राम इसीलिए मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए, क्योंकि उन्होंने हर हाल में मर्यादा की रक्षा की और स्थापित किया कि सत्यनिष्ठ, कर्मनिष्ठ और धर्मनिष्ठ आचरण ही मर्यादा है तथा उससे सभी बंधे हैं। वह हर रूप में मर्यादा के प्रतीक हैं।

राम के राज्य में राजनीति स्वार्थ से प्रेरित ना होकर प्रजा की भलाई के लिए थी। इसमें अधिनायकवाद की छाया मात्र भी नहीं थी। राम का राज्य मानव कल्याण के आदर्शों से युक्त एक ऐसा राज्य था जिसमें निस्वार्थ प्रजा की सेवा निष्पक्ष आदर्श न्याय व्यवस्था सुखी तथा समृद्ध शादी समाज व्यवस्था पाई जाती थी। राम इस सीमा तक लोकतांत्रिक हैं कि एक अवसर पर कहते हैं-यदि अनुमति हो तो कुछ कहूं और यदि मेरे कहे में कुछ अनुचित देखें तो मुझे टोक दें, मैं सुधार कर लूंगा। वह अपने राज्य में रहने वाले किसी भी व्यक्ति की राय के आधार पर फैसला लेने में हिचकते नहीं। श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन चरित ऐसी मर्यादाओं, कर्तव्य पालन और सभी के अधिकारों के प्रति सम्मान का पर्याय है। मानव सभ्यता के सम्पूर्ण लिखित-अलिखित इतिहास में श्रीराम जैसा व्यक्तित्व और चरित्र का दूसरा उदाहरण उपलब्ध नहीं है।

राम को धर्म का विग्रह कहा गया है, 'रामो विग्रहवान धर्मः'. एक व्यापक अर्थ में राम का चरित धर्म मार्ग की चुनौतियों और उसके विचलन से उठने की मुश्किलों अर्थात जीवन के आधारों की मर्यादा स्थापित करने की राह में आने वाले प्रश्नों से रूबरू कराता है। गांव का अनपढ़ भी इनसे शिक्षित होता है और एक तरह के विवेक के भाव की अनुभूति करता है। श्रीराम मानव शरीर धारण करने पर जीवन के कठोर सत्य की कसौटी पर वे हमेशा ही कसे जाते हैं। किशोरावस्था से ही उनके सामने जो चुनौतियों की श्रृंखला शुरू होती है उसका जीवन में कभी अंत नहीं हुआ पर सारे कष्टों के बीच वे अविचल भाव से स्थित रहे। विकट परिस्थितियों में भी वे अपने पूरे परिवेश के साथ अनुकूलित रहते थे। उनके लिए आस-पास का कोई भी प्राणी अन्य' नहीं रहा, सभी अनन्य हो गए थे। वे गिरिजन, वनचारी और वानर सभी के हित के लिए जुटे रहे। करुणा और पर-दुखकातरता की भावना से ओत-प्रोत श्रीराम ने उन सबसे से प्रेम तथा सौहार्द का रिश्ता बनाया और निभाया।

सबको साथ लेकर चलने के मामले में राम अद्वितीय हैं। वनवासियों समेत समाज के सभी वंचित-शोषित वर्गों को आदर देना उनका स्वभाव है। उनमें आत्मविश्वास पैदा कर उनके सहयोग को वह अपनी शक्ति बना लेते हैं। साधारण जन समुदाय में समुद्र पार जाने का साहस जगाकर और परम पराक्रमी रावण की दिग्विजयी सेना को परास्त कर राम ने स्थापित किया कि केवल सैन्य बल शौर्य का परिचायक नहीं होता। वह अपने शौर्य के बल पर हर चुनौती पर विजय पा लेते हैं।

भारतीय जन मानस के समक्ष जीवन का जो आदर्श उन्होंने राजा के रूप में तथा आज्ञाकारी पुत्र के रूप में सबके सामने रखा तथा सबके प्रति स्नेह, करुणा और सेवा का भाव रखा, वह संपूर्ण भारतीय समाज तथा मानव जाति के लिए अनुकरणीय है। प्रख्यात समाजवादी नेता एवं चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया लिखते हैं- राम की सबसे बड़ी महिमा उनके उस नाम से मालूम होती है जिसमें कि उनको मर्यादा पुरुषोत्तम कह कर पुकारा जाता है। राम मर्यादा पुरुष थे। ऐसा रहना उन्होंने जानबूझ कर और चेतन रूप से चुना था। आज जब दुनिया भर में हड़पने और विस्तार की महत्वाकांक्षा सिर उठाए खड़ी है तो राम की मर्यादा को याद करना जरूरी हो जाता है। राम का जीवन बिना हड़पे हुए फैलने की एक कहानी है। उनका निर्वासन देश को एक शक्ति केंद्र के अंदर बांधने का मौका था। श्रीराम ने अयोध्या से लंका तक की अपनी यात्रा में कभी अतिक्रमण नहीं किया, वे दायरे से बाहर नहीं गए। जब पहली बार उन्हें वानर नरेश बालि के साम्राज्य पर अधिकार करने का मौका मिला था, वे चाहते तो बालि के भाई सुग्रीव का साथ देने के बहाने उसका साम्राज्य हड़प सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया है। यह एक विशाल हृदय राजकुमार की मर्यादा थी। यह नीतिशास्त्र की मर्यादा थी और राजनीति की भी।'

राम की संस्कृति जब-जब एक सम्पूर्ण और एकात्म राष्ट्र की अस्मिता बनकर उभरने लगती है, अराष्ट्रीय तत्व विक्षिप्त और बेचैन होने लगते हैं। लोकतंत्र के वोट तत्त्व की विवशता राष्ट्रीय परिवार, उसकी भूमि और भावना को आत्मघाती रूप दिया जाने लगता है। ऐसा एक बार नहीं अनेक बार हुआ है। देशवासियों ने अब अपने टूटे प्रण के टुकड़ों को जोड़कर प्राणों का कवच बनाने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। श्रीराम प्रभु इस राष्ट्र की प्राणवायु हैं। इस राष्ट्र की हजारों वर्ष की जीवन यात्रा में अनेक राज्य बने और मिटे। अनेक राजा आए और गए। श्रीराम के आविर्भाव के पूर्व भी यह हुआ था जिसने भूत और वर्तमान को जोड़ रखा है।

मनु और इक्ष्वाकु से लेकर नरेंद्र मोदी तक की सत्ता परम्परा में श्रीराम का ही एकमात्र ऐसा व्यक्तित्व है जिसमें यहां के समस्त राष्ट्रजन अपने राष्ट्र का त्रिकाल दर्शन करते हैं। शेष सभी ऐसे हैं जिसमें किसी में दल दिखाई देता है तो किसी में जाति। किसी में वंश बिम्ब है, तो किसी में सत्ता स्वार्थ की शरारत। राम की लोकरंजकता भारत के लोकतंत्र के आधुनिक संस्करण में पूर्णतः अनुपस्थित है। जीवन मूल्य राजनीतिक विवशता के बंदी हैं। राष्ट्रीय अस्मिता चुनावों के हार जीत की आश्रित है। वह विधायिका के पक्ष विपक्ष की संख्या की कसौटी पर कसी जाती है।

राम मानवता की चरम अभिव्यक्ति हैं, जिसमें दुःख-सुख, लोक-लाज, हानि-लाभ, जय-पराजय, ऊंच-नीच, नीति-धर्म सभी कुछ समाहित है। महर्षि वाल्मीकि लिखते हैं कि राम, धर्म अर्थात जो कुछ एक मानव के लिए धारण करने योग्य है, उसके मूर्तिमान रूप हैं। उन्होंने राम को मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में प्रतिपादित कर एक सांस्कृतिक आधार प्रदान किया। राष्ट्र का केन्द्र राजा होता है। वह प्रजा का हित चिंतक और राष्ट्र का उन्नायक होता है। वह धर्म तथा सत्य का उद्गम स्थल है। मनुष्य के जीवन में आने वाली सभी संबंधों को पूर्ण एवं उत्तम रूप से निभाने की शिक्षा देने वाला प्रभु रामचंद्र के चरित्र के समान दूसरा कोई चरित्र नहीं है।

वर्तमान समय में राम नीति की अत्यंत आवश्यकता है क्योंकि पूरा विश्व घोर आपसी वैमनस्य और आर्थिक संकट से जूझ रहा है। राजा की दिनचर्या कैसी होनी चाहिए या वर्तमान समय में जो पूरे विश्व में जिस प्रकार से शासन प्रणाली है, उसमें आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है, चाहे वह अमेरिका हो या चीन या ग्रेट ब्रिटेन ही क्यों ना हो क्योंकि इन्हीं देशों का अनुसरण लगभग सभी देश अपने शासन सत्ता को चलाने के लिए करते हैं। शासन सत्ता के बल मत्स्य न्याय के आधार पर नहीं चलती चलती है। हमारे देश का अप्रतिम शासन सत्ता का मानक रामराज्य ही है जिसकी नींव त्याग है।

भारतीय जनमानस में राम गहरे-बहुत गहरे समाए आराध्य ही नहीं, हर रूप में सामने आने वाले आदर्श व्यक्ति भी हैं। वह जन-जन के ऐसे प्रेरणा पुरुष हैं जिन्होंने कर्तव्य निर्वहन का एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया जो भारत ही नहीं, संपूर्ण विश्व और समस्त मानवता के लिए अनुकरणीय है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने कर्तव्य पालन की जो सीख दी वह आज भी राह दिखाती है। इस सीख से यह राष्ट्र हर दिन-हर क्षण प्रेरित होता है और इसलिए वह उनकी जन्मस्थली पर उनके नाम के मंदिर की स्थापना को लेकर पुलकित है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विरोध प्रदर्शन

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कथित तौर पर अवैध खनन और जमीन से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन के खिलाफ और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समर्थन में जनजातीय समुदाय के सदस्यों ने 'आक्रोश रैली' के दौरान विरोध प्रदर्शन किया।

मोदी भारत और दोनों देशों के बीच संबंधों के लिए 'सबसे अच्छे नेता' हैं : मैरी मिलबेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। प्रतिष्ठित अफ्रीकी-अमेरिकी हॉलीवुड अभिनेत्री और गायिका मैरी मिलबेन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत और दोनों देशों के बीच संबंधों के लिए सबसे अच्छे नेता हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका में कई लोग उन्हें फिर से निर्वाचित होते देखना चाहते हैं ताकि दोनों देशों के बीच संबंधों को और अधिक स्तर तक मजबूत किया जा सके। मिलबेन (41) ने यह भी कहा कि वह मानती हैं कि प्रधानमंत्री मई में जीत की राह पर हैं। मशहूर अफ्रीकी-अमेरिकी गायिका ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मैं आपको विश्वास के साथ बता सकती हूं कि यहां अमेरिका में प्रधानमंत्री के लिए अच्छा खासा समर्थन है। मैं मानती हूं कि कई लोग उन्हें फिर से निर्वाचित होते देखना चाहते हैं क्योंकि वह भारत के लिए सबसे अच्छे नेता है।

उन्होंने कहा कि भारत में उनके काफी प्रशंसक हैं, खासतौर से राष्ट्रगान जन गण मन और मशहूर हिंदी गीत ओम जय जगदीश हरे गाने के बाद। मिलबेन ने कहा, मुझे लगता है कि यह चुनावी मौसम अमेरिका, भारत और दुनिया के लिए सबसे महत्वपूर्ण चुनावी मौसम होने जा रहा है। इसलिए हमारे ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। इसमें कोई छिपी बात नहीं है...पूरा भारत जानता हैं कि मैं प्रधानमंत्री की बड़ी समर्थक हूं। और मुझे लगता है कि वह भारत के लिए और भारत-अमेरिका संबंध के लिए उत्कृष्ट नेता हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को न केवल इस क्षेत्र में बल्कि पूरी दुनिया में असली आर्थिक शक्ति बनाने के लिए असाधारण कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी में प्रगति की उनकी नीतियों ने निश्चित रूप से महिलाओं को नेतृत्व में बढ़ावा दिया है। जाहिर है कि कई मायनों में उनकी वजह से ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बनीं और उनके प्रयासों से ही मंत्रिमंडल में अधिक महिलाएं शामिल हुईं। इससे पहले, मिलबेन ने अफ्रीकी संघ को जी20 का पूर्ण सदस्य बनाने के प्रस्ताव के लिए भी मोदी की प्रशंसा की है।

अयोध्या के लिए दीवानगी : स्केट्स से, साइकिल से या फिर पैदल भी आ रहे हैं लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या। अयोध्या के लिए लोगों की दीवानगी हाड़ कंपा देने वाली ठंड से बेअसर है और देश के विभिन्न हिस्सों से लोग 22 जनवरी को यहां नवनिर्मित मंदिर में भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए स्केटिंग कर, साइकिल चलाकर या फिर पैदल ही लंबी दूरी तय कर यहां आ रहे हैं।

भगवान राम में अपनी आस्था और देश में व्याप्त धार्मिक उत्साह से प्रेरित होकर यहां पहुंचने वाले लोग बताते हैं कि वे इस ऐतिहासिक दिन का हिस्सा बनना चाहते हैं और प्रेम तथा एकता का संदेश देना चाहते हैं। बिहार के मधेपुरा जिले के रहने वाले नीतीश कुमार साइकिल पर 600 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय कर अयोध्या पहुंचे हैं। कुमार (21) ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, बिहार से अयोध्या तक 615 किलोमीटर की दूरी तय करने में मुझे सात दिन लगे। मैं आज पहुंचा हूं। मैं अपनी साइकिल पर एक स्लीपिंग बैग और कुछ जरूरी चीजें अपने साथ लेकर निकला था ताकि रास्ते में कुछ देर आराम कर सकूं। जब उच्चतम न्यायालय का इस मामले में फैसला आया तो मैंने साइकिल से यहां पहुंचने की निश्चय किया था। उस वक्त मैं स्कूल में पढ़ता था।

कुमार ने अपनी साइकिल को चार झंडों से सजाया है जिसमें एक तिरंगा और तीन भगवा झंडे हैं जिन पर चित्र और 'जय श्री राम' लिखा है। गिनीज बुक में 'सर्वाधिक लंबे समय तक नृत्य मैराथन' (124 घंटे) का रिकॉर्ड अपने नाम करने वाली सोनी चौरसिया आमंत्रित लोगों में से है और वह वाराणसी से स्केटिंग करती हुई अयोध्या जा रही हैं। चौरसिया ने पीटीआई-भाषा से कहा, मैं 17 जनवरी को वाराणसी से रवाना हुई और 22 जनवरी को अयोध्या पहुंच जाऊंगी। मैंने पहले भी इतनी स्केटिंग की है लेकिन अभी का मौसम एक चुनौती है। पूरी यात्रा 228 किलोमीटर है। मेरे साथ मेरे कोच और चिकित्सक भी हैं जो मेरे पीछे मोटरसाइकिल पर चल रहे हैं। राजस्थान के कोटपुतली से 16 जनवरी को स्केट्स पर अयोध्या के लिए निकले महज 10 वर्षीय हिमांशु सोनी 704 किलोमीटर की दूरी तय करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। सोनी ने कहा, मेरा परिवार भगवान राम में आस्था रखता है । इस समय माहौल दिवाली से कम नहीं है। मैं प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दिन अयोध्या में रहना चाहता था और अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के साथ वहां स्केट्स के जरिये पहुंचने से बेहतर तरीका क्या हो सकता है।

हिंदू-मुस्लिम एकता का संदेश फैलाने के उद्देश्य से शबनम शेख मुंबई से अयोध्या तक पैदल यात्रा कर रही हैं। उन्होंने कहा, यह यात्रा 1,400 किलोमीटर से अधिक की है। मैं प्रतिदिन लगभग 60 किलोमीटर चलती हूं और कई बार कुछ समय के लिए रुकती हूं। एक लड़की होने के नाते यात्रा के दौरान रुकने के लिए सुरक्षित स्थान की तलाश करना थोड़ा चिंताजनक है लेकिन मैं जहां भी जा रही हूं लोग मेरा स्वागत करते हैं।

अयोध्या में राम मंदिर का पहला चरण पूरा होने वाला है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी 22 जनवरी यहां भगवान राम के बाल स्वरूप के विग्रह के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेंगे। उच्चतम न्यायालय ने 2019 में इस मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया था जिसमें एक सदी से भी अधिक पुराने मंदिर-मस्जिद विवाद का निपटारा हुआ।

नयनतारा ने 'अन्नपूर्णी' फिल्म को लेकर हुए विवाद पर मांगी माफी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। अभिनेत्री नयनतारा ने अपनी हाल में आई तमिल फिल्म 'अन्नपूर्णी' के लिए माफी मांगी है। फिल्म के ओटीटी मंच पर रिलीज होने एक हफ्ते बाद निर्माताओं पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया गया था और इसके बाद फिल्म को नेटफ्लिक्स से हटा दिया गया था। फिल्म 'जवान' में काम कर चुकी अभिनेत्री ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि फिल्म 'प्रेरणा देने के लिए बनाई गई है, न कि विवाद पैदा करने के लिए।'

नयनतारा (39) ने पोस्ट में कहा, जय श्री राम। यह पत्र में भारी मन और हमारी फिल्म 'अन्नपूर्णी' से संबंधित हालिया विवादों को लेकर लिख रही हूं। 'अन्नपूर्णी' को बनाने का प्रयास केवल सिनेमा के लिए नहीं किया गया था बल्कि यह तो प्रेरणा और कभी हार न मानने की भावना पैदा करने का प्रयास था।

उन्होंने कहा, इसका उद्देश्य जीवन की यात्रा को प्रतिबिंबित करना है जहां हम सीखते हैं कि दृढ़ इच्छाशक्ति से बाधाओं को कैसे दूर किया जा सकता है। एक सकारात्मक संदेश साझा करने के हमारे प्रयास में हमने लोगों की भावनाओं को अनजाने में चोट पहुंचाई है।

'अन्नपूर्णी' में अभिनेत्री ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है जिसका लक्ष्य देश में सर्वश्रेष्ठ शेफ बनना है लेकिन अपने सपने को साकार करने के लिए उसे मांसाहारी भोजन पकाना पड़ता है। नीलेश कृष्णा द्वारा निर्देशित यह फिल्म पिछले साल दिसंबर में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसके चार हफ्तों के बाद नेटफ्लिक्स पर आई थी।

फिल्म 'शैतान' का पहला लुक जारी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता आर माधवन और अजय देवगन ने शुक्रवार को अपनी आगामी फिल्म 'शैतान' का पोस्टर जारी किया। यह काले जादू की एक डरावनी फिल्म है। इसके कलाकारों में अभिनेत्री ज्योतिका भी शामिल हैं। सोशल मीडिया पर माधवन ने शैतान के पोस्टर की झलक दिखाई, जिसमें लाल और काले रंग की वूडू गुड़िया की एक श्रृंखला है, जो एक भयानक एहसास दे रही है। इसे साल की सबसे मनोरंजक अलौकिक फिल्म करार दिया गया है। वूडू गुड़िया का प्रयोग आमतौर पर जादुई परंपराओं में विभिन्न रूपों में किया जाता है। पोस्टर साझा करते हुए, माधवन ने लिखा: शैतान का शासन हम पर है। 8 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों पर कब्जा। अजय ने पोस्टर के कैप्शन में लिखा, शैतान आपके लिए आ रहा है। विकास बहल द्वारा निर्देशित, फिल्म की कहानी को निर्माताओं ने गुप्त रखा है।

'शैतान' जियो स्टूडियोज, अजय देवगन फिल्म्स और पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल की प्रस्तुति है, और यह देवगन, ज्योति देशपांडे, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक द्वारा निर्मित है। यह 8 मार्च को रिलीज होगी। काम के मोर्चे पर माधवन के पास शशिकांत की क्रिकेट ड्रामा, 'टेस्ट', 'अधिष्ठासली' और 'जीडी नायडू बायोपिक' भी पाइपलाइन में हैं।

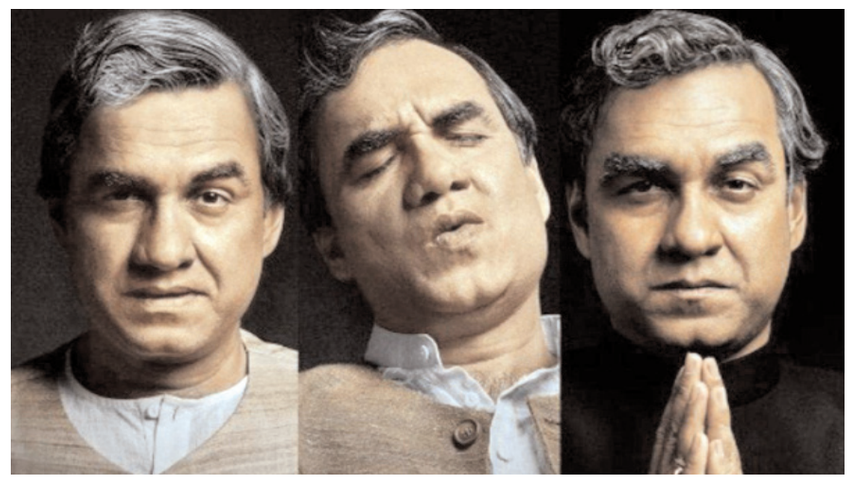

बिना किसी कट के पास हुई 'मैं अटल हूँ'

मुंबई/एजेन्सी

'मैं अटल हूं' फिल्म में अटल बिहारी वाजपेयी के राजनीति में आगाज करने से लेकर इमरजेंसी के दौरान इंदिरा गांधी के खिलाफ खड़े होने सहित कई इवेंट्स को दिखाया जाएगा। भारत भर में लोकप्रिय नेताओं में शामिल पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जिंदगी का एक अनोखा पहलू इस शुक्रवार को पर्दे पर दिखाया जाने वाला है। बायोपिक के बाजीगर कहलाने वाले निर्माता विनोद भानुशाली की नई फिल्म 'मैं अटल हूं' को सेंसर बोर्ड ने ए- सर्टिफिकेट के साथ बिना किसी कट के पास कर दिया है और अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन का सबसे आकर्षक पहलू यानी कि उनकी प्रेम कथा इस फिल्म में दिखना तय है।

दो घंटे 20 मिनट की इस फिल्म को देखते हुए सेंसर बोर्ड के कई सदस्यों की आंखें नम हो आईं। अटल बिहारी वाजपेयी की पॉलिटिकल लाइफ को करीब से दिखाने के लिए मैं अटल हूं फिल्म अब रिलीज होने वाली है।

पंकज त्रिपाठी अटल बिहारी वाजपेयी के रोल में नजर आएंगे। पॉलिटिकल ड्रामा बेस्ड इस फिल्म में अटल बिहारी के संघर्ष के साथ ही राजनीति के क्षेत्र में उनकी सूझबूझ की जर्नी भी दिखाएगी।

फिल्म में पीयूष मिश्रा, कृष्ण बिहारी वाजपेयी (अटल बिहारी वाजपेयी के पिता) के रोल में होंगे। उनके अलावा दया शंकर पांडे भाजपा के अग्रदूत राजनीतिक दल जनसंघ के दिवंगत नेता दीनदयाल उपाध्याय, पायल कपूर नायर देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रोल में होंगी।

भाजपा के नेता रहे प्रमोद महाजन के किरदार में हर्षद कुमार होंगे। फिल्म के ट्रेलर में सोनिया गांधी का कैरेक्टर भी दिखाया गया है। इस रोल में पाउला मैकग्लिन नजर आएंगी।

रॉटरडैम फिल्म फेस्टिवल में होगा अनिर्बान दत्ता की फिल्म 'अनुभूति' का वर्ल्ड प्रीमियर

मुंबई/वार्ता

लेखक-निर्देशक अनिर्बान दत्ता की फिल्म 'अनुभूति' का वर्ल्ड प्रीमियर, रॉटरडैम फिल्म फेस्टिवल 2024 में होगा। रॉटरडैम फिल्म फेस्टिवल का आयोजन नीदरलैंड के रॉटरडैम शहर में 25 जनवरी से 04 फरवरी के बीच किया जा रहा है। यह फिल्म भारत की मशहूर कवियत्री और श्री कृष्ण भक्त मीरा बाई के जीवन को एक अनोखे अंदाज़ में प्रस्तुत करती है, जिन्होंने आजीवन संगीत और काव्य के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण के प्रति अपने प्रेम और भक्ति को व्यक्त किया। इस फिल्म में अरित्र सेनगुप्ता, शमिला भट्टाचार्य और रितिक भट्टाचार्य मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगे। फिल्म का संगीत वैशाली सिन्हा ने दिया है। वैशाली सिन्हा ने पंडित अजय चक्रवर्ती के साथ मिलकर फिल्म के गानों को अपनी आवाज़ से सजाया भी है।

'अनुभूति' के वर्ल्ड प्रीमियर के बारे में अपनी ख़ुशी ज़ाहिर करते हुए अनिर्बान दत्ता ने कहा, अनुभूति का वर्ल्ड प्रीमियर रॉटरडैम फिल्म फेस्टिवल जैसे मशहूर फिल्म फेस्टिवल में होना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। रॉटरडैम फिल्म फेस्टिवल द्वारा मुझे सिनेमा और कला से जुड़े हुए कई दिग्गज लोगों के साथ जुड़ने का मौका भी मिल रहा है। इसके ज़रिए मेरी फिल्म को हर तरह के दर्शकों के सामने प्रदर्शित करने का एक शानदार मौका मुझे मिला है, जिसके लिए मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं।

'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' के प्रीमियर के लिए ऋचा और अली फजल अमेरिका रवाना

मुंबई/एजेन्सी

ऋचा चड्ढा और अली फजल सनडांस फिल्म फेस्टिवल में अपनी पहली प्रोडक्शन 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' पेश करने के लिए तैयार हैं। दोनों इसमें शामिल होने के लिए अमेरिका के पार्क सिटी, यूटा के लिए रवाना हो गए हैं। वर्ल्ड प्रीमियर शनिवार को है। शुचि तलाती द्वारा निर्देशित यह फिल्म उत्तरी भारत के एक छोटे से हिमालयी पहाड़ी शहर में स्थित एक बोर्डिंग स्कूल की मनोरंजक कहानी उजागर करती है। ऋचा ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, इस तरह के प्रतिस्पर्धी सिनेमा महोत्सव में मेरा शामिल होना अपने आप में बड़ी बात है। मुझे एक निर्देशक के रूप में शुचि और अभिनेता के रूप में नए कलाकारों से बहुत उम्मीदें हैं। 'कानी' का दुनिया ने 'किलर सूप' में एक बार फिर कमाल देखा है। मैं धन्य हूं।''

कहानी प्रीति पाणिग्रही स्टारर 16 वर्षीय लड़की की है, जिसे प्रतिभाशाली कानी कुश्रुति द्वारा चित्रित उसकी मां की उम्र के अधूरे अनुभव के साथ जटिल रूप से बुना गया है। फिल्म में जितिन गुलाटी और केसव बिनॉय किरण भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। अली ने कहा, नए संस्थापकों के रूप में हम नई कहानियों के माध्यम से नई दुनिया की खोज कर रहे हैं, सनडांस अगली दुनिया में सबसे बड़ा कदम है जिसे हम जल्द ही खोज लेंगे। मैं रोमांचित हूं कि हमें अपनी रचना को शेयर करने का मौका मिला है। विश्व प्रतियोगिता में ऐसी अद्भुत जूरी पाकर भी बहुत खुश हूं जो 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' देखने जा रही है।

फिल्म 'रिस्की रोमियो' में मोनिका चौधरी निभाएंगी अहम भूमिका

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस मोनिका चौधरी, जिन्हें रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर स्टारर फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' में देखा गया था, वह एक्टर सनी सिंह की अपकमिंग कॉमिक ट्रेजेडी 'रिस्की रोमियो' में अहम रोल निभाने के लिए तैयार हैं। फिल्म अबीर सेनगुप्ता द्वारा लिखित और निर्देशित है, जिन्होंने पहले कियारा आडवाणी-स्टारर 'इंदु की जवानी' का निर्देशन किया था और राधिका आप्टे-स्टारर 'मिसेज अंडरकवर' का निर्माण किया था। अपने रोल के बारे में मोनिका ने कहा, फिल्म में मेरा लुक भी मेरे द्वारा किए गए बाकी सभी कामों से काफी अलग है। जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट और करेक्टर सुना, तो मैं तुरंत फिल्म के नेचर और मेरे करेक्टर के अप्रत्याशित होने से हैरान रह गयी। सनी अद्भुत को-एक्टर हैं और मुझे 'रिस्की रोमियो' की शूटिंग में बहुत मजा आया। अब मैं इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।' फिल्म में कृति खरबंदा भी हैं। एक्टर सनी सिंह ने कहा कि उन्हें मोनिका के साथ काम करना बहुत पसंद है, वह सेट पर उत्साह के साथ आती हैं। सनी ने कहा, जिस पैशन के साथ वह अपने किरदार में डूब जाती हैं वह अद्भुत है। हमारी तैयारी के दौरान उनके साथ रीडिंग करते समय मुझे पता था कि उनके साथ शूटिंग करने में बहुत मजा आने वाला है और मैं इस बात से बेहद खुश हूं कि मोनिका 'रिस्की रोमियो' में सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक में है।' निर्देशक अबीर सेनगुप्ता ने कहा कि मोनिका की भूमिका के लिए कास्टिंग बेहद मुश्किल थी, लेकिन उन्होंने किरदार को समझकर इसमें बहुत गहराई जोड़कर फिल्म निर्माता को वास्तव में सरप्राइज कर दिया। उन्होंने कहा, शुरुआत में मेरे लिए मोनिका की भूमिका के लिए चयन करना बहुत मुश्किल हो रहा था। मैं इस बात को लेकर काफी गंभीर था कि एक्टर इसे सही कर रहा है और फिर मेरी मुलाकात मोनिका से हुई, जिसने मुझे अपनी सहजता से सरप्राइज कर दिया और सबसे बड़ी बात ये थी कि वो किरदार की गहराई को अच्छे से समझती थीं। उन्होंने शूटिंग से पहले पढ़ने और डिस्कशन के लिए बहुत समय दिया और फिर, सेट पर हमारे लिए यह एक सहज जर्नी शुरू की।' फिल्म का निर्माण जादूगर फिल्म्स की अनुश्री मेहता, प्रियंका मेहरोत्रा और पीआर मोशन पिक्चर्स के रमेशचंद्र यादव ने किया है।

भूमि पेडनेकर की 'भक्षक' का टीजर जारी

मुंबई/एजेन्सी

सच्ची घटनाओं से प्रेरित क्राइम ड्रामा मूवी 'भक्षक' का प्रीमियर 9 फरवरी को नेटफ्लिक्स इंडिया पर होगा। यह फिल्म रेड चिलीज एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन की है। इसे पुलकित ने डायरेक्ट और गौरी खान व गौरव वर्मा ने प्रोड्यूस किया है। इसमें मुख्य भूमिकाओं में भूमि पेडनेकर, संजय मिश्रा, आदित्य श्रीवास्तव और साई ताम्हणकर हैं। मेकर्स ने आज गुरुवार (18 जनवरी) को फिल्म का टीजर जारी कर फैंस का एक्साइटमेंट बढ़ा दिया।

'भक्षक' एक महिला की न्याय पाने की कहानी है। इसमें 'वैशाली सिंह' के रूप में भूमि पेडनेकर एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं, जो महिलाओं के खिलाफ अपराधों की जमीनी हकीकत को उजागर करते हुए एक जघन्य अपराध को सामने लाना चाहती है।

हालांकि टीजर में ज्यादा कुछ नहीं बताया गया है। भूमि डीग्लैमराइज्ड अवतार में हैं। टीजर के अंत में भूमि एक लड़की से कहती दिखती हैं, छोटी-छोटी बच्चियों के अधिकार के लिए लड़ रहे हैं हम, समझ रही हो? वीडियो को शेयर करते हुए इसके कैप्शन में लिखा गया है, एक ऐसे पत्रकार की कहानी, जो सच्चाई को उजागर करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित 'भक्षक' नेटफ्लिक्स पर आ रही है। 'भक्षक' कुछ सालों में रेड चिलीज बैनर की पहली डिजिटल रिलीज है। इसका आखिरी डिजिटल आउटपुट जसमीत के रीन की 2022 की डार्क कॉमेडी 'डार्लिंग्स' थी। भूमि के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार फिल्म 'थैंक्यू फॉर कमिंग' में देखा गया था। भूमि के पास 'तख्त', 'सारे जहां से अच्छान' और 'मेरी पत्नी का रीमेक' जैसी फिल्में भी हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जिस प्रकार फूलों में सर्वश्रेष्ठ गुलाब होता है वैसे ही गुरुओं में भी सर्वश्रेष्ठ है गुरु राजेन्द्रसूरीश्वरजी। गुरु का उपकार जिस पर हो जाता है उसका कल्याण हो जाता है। गुरु हमेशा पुण्य से व पुण्यशाली को मिलते हैं और जिसको भी मिलते है उसका जीवन सफल हो जाता है। राजेन्द्र सूरी ने जिनशान के लिए अनेक कार्य किए तथा उन्हें अनेक पदवियों से नवाजा गया परन्तु उन्होंने कभी की पद व पदवी को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। राजेन्द्र सूरी एवं सरल व तपस्वी संत थे।

संतों के सान्निध्य में प्रभु मूर्तियों की शोभायात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। आचार्यश्री जिनमणि प्रभसूरीश्वरजी म. के निर्देश और आशीर्वाद से गणिवर्य मेहुलप्रभश्रीजी और मुनिश्री मंथनप्रभसागर जी म. सा. के सान्निध्य में शुक्रवार को सुकुरवार को वरघोड़ा का आयोजन किया गया। आज मुनिश्री ने अपने प्रवचन में जैन धर्म में प्राण प्रतिष्ठा का और कुम्भ स्थापना की जानकारी दी। आज मुनिश्री ने अपने प्रवचन में जैन धर्म में प्राण प्रतिष्ठा का और कुम्भ स्थापना की जानकारी दी। प्रवचन में कहा कि परमात्मा का प्रवेश आज यहां मंदिर में हो रहा है यह रूपक है प्रयत्न यही करना है कि परमात्मा का प्रवेश हमारे मन में हो हमारे हृदय में हो।

आज मंदिर में कलश स्थापना दीपक स्थापना एवं सात प्रकार के अनाज उगाकर मांगलिक कार्य संपन्न किए गए। पूनमचंद, कुसुमलता झाबक, कुशल, यश, वर्षित ने परमात्मा की भक्ति में अपने हृदय को समर्पित करते हुए नृत्य किया।

सुबह मुनिसुव्रत मंदिर से शोभायात्रा का आयोजन किया या। घोड़े की बग्गी में परमात्मा की मूर्तियों को स्थापित कर नगर भ्रमण करवाया गया। उसके पश्चात् नवनिर्मित जिनालय में प्रभु का प्रवेश करवाया गया। ऋषभ दर्शन भवन में सबका स्वागत पूनम चंद झाबक ने किया। इस कार्यक्रम में खरतरगच्छ संघ के सचिव श्याम सुंदर लूनिया, युवक परिषद अध्यक्ष दीपक नाहटा, युवक परिषद अध्यक्ष प्रकाश बोथरा और समस्त कार्यकारिणी के सदस्य इस मौके पर उपस्थित थे।

डॉ अग्रवाल आई हॉस्पिटल द्वारा मोतियाबिंद की सर्जरी कर एंटी ग्लूकोमा आईड्रॉप्स पर निर्भरता को समाप्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। डॉक्टर अग्रवाल आई हॉस्पिटल के दक्ष चिकित्सकों द्वारा चेन्नई निवासी 63 वर्षीय बुजुर्ग की मिनिमली इनवेसिव ग्लूकोमा सर्जरी (एमआईजीएस) करके पिछले 10 वर्षों से एंटीग्लूकोमा आई ड्रॉप पर निर्भर बुजुर्ग को आई ड्रॉप लेने की दैनिक निर्भरता से निजात दिला दिया है अब रोगी को प्रतिदिन आई ड्रॉप्स लेना आवश्यक नहीं रह गया है। ग्लूकोमा देश में सबसे बड़ा नेत्र विकार है यह अंधेपन का तीसरा सबसे बड़ा कारण है। ग्लूकोमा से पीड़ित मरीज पूरे देश में 11.9 मिलियन से अधिक हैं। यह नेत्र विकार तब होता है जब आंख में बनने वाले तरल पदार्थ के प्रवाह में वृद्धि या कमी हो जाती है जिसके कारण इंट्राऑकुलर पर दबाव बढ़ जाता है।

चेन्नई निवासी 63 वर्षीय ग्लूकोमा रोग से पीड़ित बुजुर्ग के मामले में डॉक्टरों ने आंखों के अंदर दो स्टंट लगाएं है जिससे आंख में बनने वाले तरल पदार्थ को बाहर निकलने में आसानी होगी इस सर्जरी से आंतरिक नेत्र दबाव में काफी कमी होगी और यही कमी मरीज को आई ड्रॉप्स का उपयोग बंद करने के लिए पर्याप्त होगा। इस अवसर पर अग्रवाल आई हॉस्पिटल के निदेशक और मुख्य नैदानिक अधिकारी अश्विन अग्रवाल ने बताया कि एमआईजीएस ग्लूकोमा सर्जरी की एक नई चिकित्सा विधि है जिसमें ट्राब्लॉक्टटोमी के लिए एक सुरक्षित विकल्प प्रदान कर ग्लूकोमा का उपचार किया जाता है । इसे विशेषतः पारंपरिक ग्लूकोमा सर्जरी से जुड़े जटिलताओं के जोखिम को कम करने के लक्ष्य के साथ विकसित किया गया है। इस उपचार विधि से मरीज को जल्दी स्वस्थ होने और उसके तेजी से रिकवरी होने की संभावनाएं बढ़ जाती है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। यहां आरजी स्ट्रीट स्थित राजस्थान जैन मूर्तिपूजक संघ द्वारा संचालित बड़ा सुपार्श्वनाथ मंदिर में आज मुमुक्षु जयणाश्री मुक्ता का साध्वीश्री वीरेशपद्माश्रीजी म. सा. की निश्रा में संघ द्वारा अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे। आयोजन में मंदिर के कार्यकारणी सदस्य महावीर सियाल, अशोक साँड़, महेन्द्र मेहता, नथमल भंडारी, किशोर नैनावत एवं संजय छाजेड ने समय पर उपस्थित होकर कार्य में सहयोग किया।

राम भक्ति में होंगे कई धार्मिक आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर चेन्नई के अलग-अलग इलाकों में भी सनातन धर्म लंबियों के द्वारा कई धार्मिक आयोजन किए जाएंगे बता दें कि मन्नड़ी सुंदरकांड समिति के तत्वधान में कोरल मरचेंट स्थित जैन भवन में आगामी 22 जनवरी सुबह 9 बजे से 12 तक सुंदरकांड पाठ का वचन एवं प्रभु भक्ति भजन प्रस्तुत किए जाएंगे।

माधवाराम स्थित बीआरएस पैराडाइज अपार्टमेंट मैं भी नमो सिंह के नेतृत्व में राम भक्त द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया है जिम सैकड़ो की संख्या में राम भक्त शामिल होंगे एवं दीपोत्सव के साथ-साथ प्रभु श्री रामचंद्र जी के जीवन गाथा से जुड़े हुए भजनों का प्रस्तुति देंगे।

पुझल के साइकल शॉप इलाके में मनोज तिवारी के सौजन्य से सुंदरकांड पाठ वाचन एवं प्रभु भक्ति भजन का आयोजन किया गया है यह कार्यक्रम संध्या 4 बजे से शुरू होकर शाम 8 बजे तक चलेगी यहां भी सैकड़ो की संख्या में राम भक्त शामिल होंगे।

मिंट क्लॉक टावर के नजदीक ओसियन एट अपार्टमेंट में भी सनातन प्रेमियों ने आगामी 22 जनवरी के अयोध्या में रामलाल के प्राण प्रतिष्ठा के मदेनजर सुंदरकांड पाठ एवं श्री राम लाल चरणों में भजनों की सरिता बहाएंगे जिनमें कई स्थानीय एवं बाहरी कलाकार हिस्सा लेंगे। उल्लेखनीय है कि आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत करेंगे उन्होंने भारतवासियों से आवाहन की है की उत्तर प्रदेश में शीतलहर और ठंड के कारण भारी संख्या में लोग राम दर्शन के लिए ना आए वह अपने जगह रहकर ही दीपोत्सव मानव एवं अन्य धार्मिक आयोजन का हिस्सा बने।

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा से पहले मोदी सिर्फ नारियल पानी पी रहे हैं, गौसेवा कर रहे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राम मंदिर के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह से पहले 11 दिनों से अपनी विशेष धार्मिक परंपरा के तहत फर्श पर कंबल के ऊपर सो रहे हैं और केवल नारियल पानी पी रहे हैं। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोदी 'गौपूजा' कर रहे हैं और गौसेवा कर रहे हैं। इसके अलावा वह अन्नदान सहित अन्य चीजें भी दान कर रहे हैं। और साथ ही शास्त्रों के अनुसार वह वस्त्र भी दान कर रहे हैं। धर्मनिष्ठ 'राम भक्त' के रूप में मोदी ने पिछले कुछ दिनों में नासिक स्थित रामकुंड और श्री कालाराम मंदिर, आंध्र प्रदेश के लेपाक्षी में वीरभद्र मंदिर और केरल में तिरुप्रायर श्री रामास्वामी मंदिर समेत देश के विभिन्न हिस्सों में मंदिरों का दौरा किया है। इसी तरह, वह अगले दो दिनों में तमिलनाडु में ऐसे और मंदिरों का दौरा करेंगे।

सूत्रों ने कहा कि ये मंदिर न केवल देश के विभिन्न हिस्सों को लोगों को जोड़ने का काम करते हैं बल्कि इनका भगवान राम के साथ भी संबंध है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में देश भर के मंदिरों में उनकी यात्रा और कई भाषाओं में रामायण सुनना और मंदिरों में भजनों में भाग लेना महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका प्रभाव धर्म के आम दायरे से परे है।

उन्होंने कहा कि उनके प्रयासों का उद्देश्य 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के उनके दृष्टिकोण के अनुरूप 'भारतीय' सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत करना है। उन्होंने मंदिरों को साफ करने की पहल भी शुरू की और नासिक में श्री कालाराम मंदिर के परिसर की सफाई की। इसे एक जन आंदोलन बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने खुद सफाई का काम अपने हाथ में लिया।

एक अधिकारी ने कहा, लाखों लोगों ने स्वेच्छा से मंदिरों की सफाई का काम किया। इस आंदोलन में देश के सभी क्षेत्रों के लोगों की उत्साहपूर्वक भागीदारी देखी गई है। मशहूर हस्तियों से लेकर आम आदमी तक, सभी ने मोदी के आह्वान का जवाब दिया है। इसे 'एक्स' पर हैशटैग 'स्वच्छ तीर्थ अभियान' के साथ भी लोग साझा कर रहे हैं।

ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जयपुर स्थित राजस्थान के मुख्यमंत्री कार्यालय में चेन्नई सेंट्रल जिला सचिव पवन कुमार और रेलवे बोर्ड पीएसी सदस्य रविचंद्रन ने मिलकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। मुलाकात कर सदस्यों ने चेन्नई से बाड़मेर वाया जालौर होकर रेल चलाने की मांग की। चेन्नई जोधपुर साप्ताहिक ट्रेन 22663 के फेरे बढ़ाने की और 20485 जैसलमेर साबरमती एक्सप्रेस लेट होने के कारण हजारों लोगों की 12655 नवजीवन एक्सप्रेस आए दिन छूट जाती है उसको 6 बजे साबरमती पहुंचाने की मांग रखी। प्रवासियों की इन तकलीफों के बारे में बताया गया। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि शीघ्र ही रेल मंत्री से पत्र लिखकर या मिलकर उन्हें इस बारे में सूचित करेंगे।

रेल सेवाएँ रद्द हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण मध्य रेलवे ने नीचे दिए गए परिचालन कारणों से साप्ताहिक विशेष ट्रेनों को रद्द करने की अधिसूचना जारी की।

ट्रेन नंबर 07695 सिकंदराबाद - रामनाथपुरम स्पेशल 24 और 31 जनवरी को 21.10 बजे सिकंदराबाद से छूटने वाली पूरी तरह से रद्द कर दी है। वहीं वापसी में ट्रेन नंबर 07696 रामनाथपुरम - सिकंदराबाद स्पेशल 26 जनवरी और 02 फरवरी को सुबह 09.50 बजे रामनाथपुरम से छूटने वाली पूरी तरह से रद्द है।

ट्रेन नंबर 07153 नरसापुर-एसएमवीटी बेंगलूरु स्पेशल 26 जनवरी को 15.50 बजे नरसापुर से रवाना होने वाली पूरी तरह से रद्द है। वापसी में ट्रेन नंबर 07154 एसएमवीटी बेंगलुरु - नरसापुर स्पेशल 27 जनवरी को 10.50 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से छूटने वाली ट्रेन पूरी तरह से रद्द कर दी है।

मानव सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बीकानेर जैन परिषद के सदस्यों ने नवरतन बैद परिवार के सौजन्य से गांधी ओल्ड ऐज होम में मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था की। नवरतन बैद, कविता बैद, राहुल बैद सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण

रामभक्त मंडल, गनीगरपेट-कुम्मबारपेट के सदस्यों ने रविवार को अयोध्या श्रीराम मंदिर प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडुराव को आमंत्रण दिया। इस अवसर पर बिशनसिंह विराणा, सुरेश जैन, चुन्नीलाल राजपुरोहित, उम्मेदसिंह राजपूत, कांतिलाल सोडा, जितेन्द्र एवं सुरेश घांची ने मंत्री को कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आमंत्रित किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के नडदाडुवा देवरु सेवा ट्रस्ट द्वारा कन्नड़ साहित्य परिषद सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रुप में महेन्द्र मुणोत उपस्थित थे। ट्रस्ट के मंजूनाथ आदि सदस्यों ने मुणोत का सम्मान किया ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

राजस्थानी व्यापारी संघ के सदस्यों ने अयोध्या श्रीराम मंदिर प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के कमेटी सदस्य मूलसिंह राजपुरोहित का सम्मान किया। इस मौके पर अश्विन सेमलानी, विनोद चौहान, गौरव शर्मा, गोविंदसिंह धनला, शैतानसिंह आदि व्यापारियों ने राजपुरोहित का सम्मान किया।

अभिवादन

कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को माजुली में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान समर्थकों का हाथ हिलाकर अभिवादन करते हुए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.